

जाल्मर सेल मारी और भूला सेल स्टेशन यूपी पटियाला, झू और बुर (नामाय) सारनूर सुपान शहीद उम्र सिंह बलाया फजिलेक नामा फजिलेक सेल स्टेशन मेगा मेरा सेल स्टेशन बिडि, रामपुर सेल स्टेशन युक्तस मोहो और मुक्तसर मकरकेटा, अहनदाइय मारा, मारा सेल स्टेशन लुधियाना साहेबवाल सेल स्टेशन फजिलकोटा सेल स्टेशन सेल स्टेशन और येउर रेफ सेल स्टेशन विदेश प्रदर्शन के कारण ये स्थान प्राविक हो। जिससे रेल सेवां प्राविक होगी । ५ दिस्बर को विद्युत संशोधन न विषयक 2025 के मसीदी को रेल कर्मी की मांग को लेकर होने वाले विदेश प्रदर्शन के दौरान दो घंटे (दोहर) 1 जून से 3 जून तक) के दौरान यात्रियों की यात्रा में बाधाक तन का सामना करना पड़ेगा, और उन सालहा दी जाती है कि ये अपनी यात्रा की योजना तदनसार बनाएँ।

मतदाता गणना प्रपत्तों में अनियमितताओं पर समाजवादी पार्टी का गंभीर

आरोप, मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज़ापन सौंपकर मांगी त्वरित कार्रवाई

लखनऊ (संवाददाता)समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को विस्तृत ज्ञापन सौंपकर कई जिलों में मतदाता सूची के गणना प्रपत्रों में हो रही गंभीर गड़बड़ियों की शिकायत की है। पार्टी ने मांग की है कि बाराबंकी सहित विभिन्न जिलों में बीएलओ द्वारा अंधेध रूप से “थर्ड विकल्प” में सबमिट किए गए प्रपत्रों की तत्काल जांच कर उन्हें नियम के अनुसार “फर्स्ट” या “सेकेंड विकल्प” में संशोधित कराया जाए, ताकि एसआईआर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रह सके।पार्टी ने कहा कि बाराबंकी में अंधेधकाश मतदाताओं ने 2003 की मतदाता सूची के अनुसार अपने पारिवारिक विवरण सहित गणना प्रपत्र बीएलओ के पास जमा किए थे, पंतु बीएलओ ने उन्हें गलत तरीके से ‘थर्ड विकल्प’ में सबमिट कर दिया। जबकि भारत निर्वाचन आयोग ने बीएलओ ऐम में प्रपत्र एडिट करने का विकल्प उपलब्ध कराया है, फिर भी संशोधन नहीं किया गया ज्ञापन में प्रयागराज की शहर पश्चिमी विधानसभा के मतदेय स्थल संख्या 211 का मुद्दा भी उठाया गया है, जहां 2003 की सूची के 1501 मतदाताओं में से 805 नाम अचानक गायब हो गए और नई सूची में केवल 696 नाम अपलोड हुए हैं। इस कारण संबंधित मतदाताओं में भारी असंतोष है।मदोही में मतदेय स्थल 22 व 23 के 154 गणना प्रपत्र बीएलओ को दिए गए थे, लेकिन अब वे प्रपत्र गायब बताए जा रहे हैं। न तो उन्हें अपलोड किया गया और न ही ईआरओ कार्यालय में उपलब्ध हैं। इसी तरह मिर्जापुर विधानसभा के कई बूथों पर समाजवादी पार्टी समर्थक मतदाताओं को गणना प्रपत्र दिए ही नहीं गए और उन्हें “लापता” श्रेणी में सबमिट कर दिया गया।रायबरेली में ऊँचाबाढ़ क्षेत्र के कई बूथों पर मतदाताओं को गणना प्रपत्र की रिसीविंग ही नहीं दी जा रही, जिससे उन्हें यह भी पता नहीं कि उनका प्रपत्र जमा हुआ या नहीं।सबसे गंभीर आरोप बुलंदशहर में सामने आया है, जहां दो बूथों पर बीएलओ ने समाजवादी समर्थक मतदाताओं के गणना प्रपत्र जमा नहीं किए और उन्हें कथित तौर पर भाजपा नेता को सौंप दिया।पार्टी प्रतिनिधियों केके. श्रीवास्तव और राधेश्याम सिंह ने ज्ञापन सौंपते हुए इन सभी मामलों में तत्काल जांच व कार्रवाई की मांग की है।

आधुनिक तकनीक से सुसज्जित पोर्टेबल काम्पैक्टर स्टेशन का उद्घाटन, लखनऊमें कचरा प्रबंधन को नई गति

लखनऊ(संवाददाता)।नगर निगम ने शहर की सफाई व्यवस्था और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को अधिक आधुनिक और वैज्ञानिक रूप देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ते हुए लाला लाजपत राय वार्ड के आसपुर् क्षेत्र में पोर्टेबल कम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन (ब्के) की शुरुआत की। नवनिर्मित स्टेशन का उद्घाटन मुख्य अतिथि वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना तथा विशिष्ट अतिथि महापौर सुभाष खर्कवाल ने किया। इस नई सुविधा से क्षेत्र मेंकचरा निस्तारण व्यवस्था को अधिक निर्र्जित, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बनाए जाने की उम्मीद है।इस अवसर पर विधायक डॉ. नीरज बोरा, पार्षद राघव राम तिवारी,

निर्माण किया जा रहा है।परियोजना के तहत कुल 32 ब्केबनाए जाने प्रस्तावित हैं। प्रथम चरण की 8 इकाइयों शुरू की जा चुकी है जहाँ एक इकाई में प्रस्तावित 24 मेसे 12 इकाइयों संचालित हो रही है। आज 13वें ब्के का भी लोकार्पण कर दिया गया, जबकि शेष 11 स्थलों पर कार्य तेजी से जारी है। नगर निगम का लक्ष्य है कि 2025 के अंत तक 4 और स्टेशन शुरू कर दिए जाएँ तथा शेष का निर्माण जनवरी 2026 तक पूरा कर लिया जाए।आखिलापुर मेंस्थापित यह नया ब्के पूरी तरह आधुनिक तकनीक आधारित है। इसमें गीले और सूखे कचरे के लिए दो अलग-अलग पोर्टेबल कम्पैक्टर लगाए गए हैं जिनकी क्षमता 20 घन मीटर और

15दू16 मीट्रिक टन तक है। इनका निर्माण प्रतिष्ठित कंपनी स्क्वअं ने किया है जबकि इनके संचालन हेतु टीनज उमर के 35 ब्लैंट हुक लोडर वाहन की तैनाती की गई है। इस तकनीक का उद्देश्य क्षेत्र में खुले में कचरा फेंकने की प्रथा समाप्त करना, कचरे के बिखराव और दुर्गंध पर रोक लगाना तथा कचरे के वैज्ञानिक ढ़ंढरण व परिवहन को सुनिश्चित करना है।कार्यक्रम के दौरान महापौर सुभाष खर्कवाल ने बताया कि नगर निगम ने अब तक 1200 से अधिक इलेक्ट्रिक डेअर-टू-डेअर कलेक्शन वाहन और इलेक्ट्रिक खीशियां मशीनों को रेंगा में लगाया है जिससे सफाई व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि लखनऊ ने स्वच्छ संक्षेपण 2024दू25 में देश में तीसरा स्थान प्राप्त किया है।और जल्द ही प्रथम स्थान हासिल करने की दिशा में शहर तेजी से आगे बढ़ रहा है।समाारह को संस्बंधित करते हुए मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि लखनऊ स्मारक शहर के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। स्वच्छता और कचरा प्रबंधन में लागू की जा रही नई तकनीकें पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ संक्षेपण मेंतीसरा स्थान हासिल करने के बाद अब लक्ष्य देश में नंबर-1 स्वच्छ शहर बनने का है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि नगर निगम के प्रयास तभी सफल होंगे जब जनता भी स्वच्छता अभियान में सक्रिय रूप से सहभागी बने।



किरीसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और अभियान लगातार जारी रहेगा।

बन्यरा में डर फैलाने वाला हिस्ट्रीशीटर हफ्ता वसूली के आरोप में दो घंटे में दबोचा गया



टेरा, पुत्र स्व. सत्यनारायण, निवासी ग्राम रसूलपुर भटरगांव, उम्र करीब 30 वर्ष को मात्र दो घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। अर्पित पटेल पुलिस के विरुद्ध चोरी, लूट, वन अधि कैप्टन यादव दुकान संभाल रहे थे। इसी बीच अर्पित पटेल दुकान पर पहुंचा और अंधेध हफ्ता मांगने लगा। विरुध होने पर उसने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीछि की तहशिर पर थाना बन्यरा में प्रकरण संख्या 410दू2025 केअर्पित मुकदमा दर्जकिया गया।सूचना मिलते ही थाना बन्यरा पुलिस सक्रिय हो गई।आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई और तेजी से की गई

मड़ियांव में बंद घरों को निशाना बनाने वाली चोरी गैंग पकड़ी, सोनेचांदी के भारी आभूषण बरामद



लखनऊ(संवाददाता) पुलिस कमिश्नरेट के उत्तरी जोन मेंक्राइम ब्रांच और थाना मड़ियांव की संयुक्त टीम ने बंद घरों का ताला तोड़कर चोरी करने वाले दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर एक बड़ी सफलता हासिल की है। दोनों आरोपियों से सोने-चांदी के भारी आभूषण बरामद किए गए हैं। पुलिस कई दिनों से इनकी तलाश कर रही थी।यह कार्रवाई 1 दिसंबर की रात उस समय हुई जब मड़ियांव पुलिस आईआईएम तिराहे के आसपास चेकिंग कर रही थी। तभी मुखबिर ने सूचना दी कि बंद घरों में चोरी करने वाले दोनों युवक घैला पुल के पास कहीं जाने की फिराक में खड़े हैं। पुलिस टीम ने तुरंत घेराबंदी की और दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तार युवकों की पहचान अभिषेक गौतम उर्फ शिवम उर्फ टीटू (निवासी बिहारीपुर, सहादतगंज) और शिवम सोनवानी उर्फ मैगी उर्फ छोटू (निवासी लकड़मण्डी, सहादतगंज) के रूप में हुई है।तालाशी में इनके कब्जे से बड़ी मात्रा में पीली और सफेद धातु के आभूषण बरामद हुए। सोने के जेवरार में गले का सेट, कान, झुमकी, चौन, डाले, मंगलसूत, टप्पा, बाली, अंगुठियां, मांग टीका और लाकेट शामिल हैं जिनका कुल वजन लगभग 162 ग्राम है। इसके अलावा 3 जोड़ी पायजेब, 4 जोड़ी पायल और सफेद धातु का लगभग 685 ग्राम का बिरिकट भी मिला।पूछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि वे बंद मकानों का ताला तोड़कर चोरी करते हैं और चोरी का माल बेचकर अपनी मनचाही चीजें पूरी करते हैं। इनके खिलाफ थाना मड़ियांव में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और बरामदगी के आधार पर धाराएं बढ़ाई गई हैं। दोनों को रात 10रू50 बजे हिरासत में लिया गया और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।गिरफ्तार अभिषेक गौतम और शिवम सोनवानी दोनों के खिलाफ लखनऊ के कई थानों में चोरी, नकबजनी और आर्म्स एक्ट से जुड़े मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस अब इनके आपराधि

क नेटवर्क और संभावित साथियों की जानकारी जुटा रही है।इस कार्रवाई में थाना मड़ियांव और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम शामिल रही, जिसने सर्वोच्च न्यायालय और मानवाधिकार आयोग के दिश-निर्देशों का अनुपालन करते हुए पूरी कार्यवाही की।

एसटीएफ का फरार सिपाही आलोक सिंह गिरफ्तार,कफ सिरप मामले में तलाश थी

लखनऊ,। एसटीएफ का बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह आखिरकार लखनऊ से गिरफ्तार हो गया। एसटीएफ ने मंगलवार को उसे पकड़ा। एक दिन पहले ही लुकाउट नोटिस जारी किया गया था। आलोक कोखीनयुक्त नशीले कफ सिरप मामले में पकड़ था। पूर्विल के बाहुबली पूर्व सांसद धनंजय सिंह के साथ उसकी कई तस्वीरें हैं। कफ सिरप की तस्करी में कई गिरफ्तारियां होने के बाद आलोक सिंह विदेश भागने की फिराक में भी था। पूछताछ में आलोक ने एसटीएफ को बताया कि संछेर करने जा रहा था। लखनऊ कर्ट में इसके लिए अर्जी भी दाखिल की थी। इससे पहले ही एसटीएफ ने उसे दबवा लिया। कफ सिरप कांड मेंअब तक कुल 3 गिरफ्तारियां

हो चुकी हैं। आलोक से पहले 27 नवंबर को अमित सिंह टाटा, 30 नवंबर को भेला जायसवाल को पकड़ गया था। आलोक का फे्रुक्त घर चंदेली में है। लखनऊ में नाका के मोतीनगर में भी उसका घर है। साल- 2006 में प्रयागराज के कारेश्वारी से लखनऊ में 4 किलो सोना लूट लिया गया था। इस मामले में 5 पुलिसकर्मियों समेत 7 लोग आरोपी बनाए गए थे। आरोपियों में दरेगा संतोष सिंह, कुननाथ यादव, तत्कालीन लखनऊ क्राइम ब्रंच के सिपाही सुशील पंचवीर, आलोक सिंह और संतोष तिवारी के साथ नीरज गुप्ता और सुभाष भी शामिल थे। पुलिस ने शुरुआती दौर में 3 किलो सोना बरामद करने का दावा किया था। इसके बाद आलोक और सुशील पंचवीर को पुलिस

से पूछताछ में दुर्बल कनेक्शन और नेटवर्क को शक देने वाले लोगों के नाम सामने आ सके हैं। उससे जुड़े रियल एस्टेट कारोबार, फर्जी फर्मी और स्लीपर सेल जैसी संरचना की भी जांच की जाएगी। खासतौर पर उन संकेतधर्मीऔर प्रभावशाली लोगों की मूीका पर फोकस है। कनेक्शन में यह सिंकेट फल-फूल रहा था। आलोक सिंह की गिरफ्तारी के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और यूपी एसटीएफ की संयुक्त पूछताछ की तैयारी

आईआईएम मार्ग पर भीषण सड़क हादसा, दो व्यक्तियों की दर्दनाक मृत्यु, कई वाहन तबाह

लखनऊ(संवाददाता) आईआईएम मार्ग पर देर रात लगभग साढ़े बारह बजे एक अत्यंत भीषण सड़क दुर्घटना हो गई, जिसमें दो व्यक्तियों की उपचार के दौरान मृत्यु हो गई और कई वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। यह घटना चौकी उर्दू फारसी क्षेत्र में उस समय हुई जब काले रंग की क्रेटा कार (UP32KU6364) का चालक राजकमल मिश्रा उर्फ राज मिश्रा, पुत्र राजेश मिश्रा, निवासी बालामऊ, जमपद हरदोई तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल संख्या UP32GV 0498 पर सवार दो व्यक्तियों को जोरदार टक्कर मार बेठा। टक्कर लगते ही क्रेटा वाहन अनियंत्रित होकर आर.एस. लॉन के बाहर खड़ी रिवघट डिजायर कार (UP32TN1274) से जा भिड़ी, जो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। दुर्घटना का प्रभाव इतना तेज था कि डिजायर और खड़ी बस (UP41AT7169) से टकरा गई और बस की टक्कर पास में खड़ी महिन्द्रा केयूबी-100 (UP32HV2469) गाड़ी से हो गई। इस क्रम में सभी वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और स्थल पर अफरातफरी का माहौल बन गया।गंभीर रूप से घायल मोटरसाइकिल सवार दोनों व्यक्तियों मिथिलेश कुमार, पुत्र ईश्वरदीन, निवासी कुर्सी मार्ग थाना गुडम्बा, उम्र 40 वर्ष, तथा राजकुमार, पुत्र रामचन्द्र, निवासी कुर्सी मार्ग थाना गुडम्बा, उम्र 37 वर्ष को तत्काल उपचार हेतु एम्बुलेंस से केनौीएमयू भेजा गया, जहां उपचार के दौरान दोनों की मृत्यु हो गई। क्रेटा में सवार दो अन्य व्यक्तियों को भी चोटें आई हैं, जिनका उपचार अस्पताल में जारी है।पुलिस ने सभी वाहनों को कब्जे में लेकर स्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक विधिक कार्यवाही प्रारम्भ कर दी है। दुर्घटना से क्षेत्र में शोक और दहशत का वातावरण व्याप्त है।

बीबीएयू में ‘बृहद योग ज्ञान’ पुस्तक का विमोचन, योग शिक्षा और शोध के लिए उपयोगी ग्रंथ बताया गया

लखनऊ(संवाददाता) बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ में कुलपति प्रोफेसर राजकुमार मि्तल ने योग विषय पर आधारित पुस्तक ‘बृहद योग ज्ञान’ का विमोचन किया। यह पुस्तक विश्वविद्यालय के योग विभाग में अतिथि शिक्षक डॉ. कंचन यादव द्वारा तैयार की गई है, जिसमें उनके गहन अध्ययन, अनुसंधान और अनुभव का व्यापक संकलन प्रस्तुत किया गया है। विमोचन के दौरान कुलपति ने इसे योग शिक्षा और शोध के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण योगदान बताया।पुस्तक में योग के पारंपरिक सिद्धांतों से लेकर आधुनिक संदर्भों तक स्वास्थ्य, अध्यात्म और जीवनशैली से जुड़े विभिन्न पहलुओं को सरल और सहज भाषा में समझाया गया है।

एसकेडी एकेडमी का वार्षिक उत्सव प्रतिभा और गरिमा के भव्य प्रदर्शन के साथ संपन्न

लखनऊ,। एसकेडी एकेडमी का शानदार वार्षिक उत्सव 2025 आज संपन्न हो गया, जिसने संस्थान की विभिन्न शाखाओं में सांस्कृतिक जीवंतता, शैक्षणिक समारोहों और छात्रों के शानदार प्रदर्शनों से भरे कई दिनों की पराकाष्ठा को चिह्नित किया। ग्रैंड फिनाले ने संस्थान की उस परंपरा को बनाए रखा, जिसमें यह आयोजन न केवल छात्रों की प्रतिभा का प्रदर्शन होता है, बल्कि गाम्भीर्य सरकारी और सामाजिक हस्तियों तथा एसकेडी समूह के मुख्य नेतृत्व की उपस्थिति वाला एक महत्वपूर्ण सामुदायिक समारोह भी होता है। मनीष सिंह, निदेशक, एसकेडी ग्रुप ऑफ एजुकेशन, ने अपनी सराहना व्यक्त करते हुए कहा यह वार्षिक उत्सव केवल एक वार्षिक समारोह नहीं हैय यह एसकेडी परिवार के भीतर निहित अपार क्षमता और सामूहिक भावना का एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन है। अपने छात्रों को ऐसे जुनून, अनुशासन और रचनात्मकता के साथ प्रदर्शन करते देखना हमें

अद्वितीय गौरव से भर देता है। हम एक ऐसा वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जहाँ प्रतिभा को पहचाना जाए, मूल्यों को बरकरार रखा जाए और हर छात्र को चमकने का एक मंच मिले। इस शानदार उपलब्धि के लिए सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को बधाई! निशा सिंह, उप निदेशक, और श्रीमती कुसुम बत्रा, सहायक निदेशक (शैक्षणिक), ने अपनी हार्दिक शुभकामनाएं और प्रशंसा व्यक्त की। हम उन सभी छात्रों को अपना हार्दिक आशीर्वाद भेजते हैं जिन्होंने इस मंच को जीवंत कर दिया। आपकी ऊर्जा, उत्साह और कड़ी मेहनत इस उत्सव का दिल थे। हम इस वर्ष प्राप्त उच्च मानकों की वास्तव में सराहना और प्रशंसा करते हैं। मुख्य अतिथि रणवीर सिंह, प्रमुख सचिव, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, उ.प्र. डॉ. प्रदीप सिंह जेडी, संयुक्त शिक्षा निदेशक, 6वां मंडल, उ.प्र. मुख्य अतिथियों ने एसकेडी एकेडमी की साराहना करते हुए कहा कि संस्थान छात्रों को शिक्षाविदों से परे अपनी क्षमता का पता लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रेरणादायक लघु नाटक, जीवंत नृत्य प्रस्तुतियाँ और संगीत कार्यक्रम शामिल हैं, जिन्हें दर्शकों से भरपूर सराहना मिली। दोनों स्थानों पर वार्षिक उत्सव 2025 की सफलता, श्री एस.के.डी. सिंह जी, अध्यक्ष, एस.के.डी. ग्रुप, के मूलभूत दृष्टिकोण और संपूर्ण एकेडमी स्टाफ के समर्पित प्रयासों को दर्शाती है। इस आयोजन ने कला और संस्कृति के उत्सव को शैक्षणिक और सह-पाठ्यचर्या संस्थित उपलब्धियों की पहचान के साथ प्रभावी ढंग से जोड़ा, जिससे गुणवत्तापूर्ण, मूल्य-आधारित शिक्षा के ध्वजवाहक के रूप में एकेडमी की प्रतिष्ठा मजबूत हुई। प्रबंधन ने गणमान्य अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों और सबसे महत्वपूर्ण रूप से, छात्रों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया, जिनके उत्साह और कड़ी मेहनत ने उत्सवों को जीवंत कर दिया,

राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को योगी कैबिनेट ने दी रहत, सरकार ने साफ किया ड्यूटी मानने का नियम

लखनऊ,02 दिसम्बर 2025 (यूनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों को बड़ी राहत देते हुए स्पष्ट कर दिया है कि अब वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं, ट्रेनिंग कैंपों और संबंधित गतिविधियों में शामिल होने की पूरी अवधि, आगमन के समय सहित ड्यूटी मानी जाएगी। मंत्रिमंडल के इस फैसले से खिलाड़ियों को अनुमति लेने में होने वाली मुश्किलें लोगों को आस राहेंगी। कैबिनेट की बैठक के बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि अब तक अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता सीधी भर्ती नियमावली-2022 में ऐसी कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं थी। सेवा नियमावली में अवकाश संबंधी प्राव्ान न होने के कारण खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं और प्रशिक्षण शिविरों में भाग लेने के लिए अनुमति प्रक्रिया में दिक्कतें आती थीं। उन्होंने कहा कि अब सरकार नई प्रणाली लागू कर रही है, जिसमें साफ व्यवस्था होगी कि नियुक्त खिलाड़ी जब भी किसी राष्ट्रीयअंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता, कैंप या प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लें वह अवधि सेवा अवधि (ड्यूटी) मानी जाएगी। इसमें आने-जाने का पूरा समय भी शामिल होगा। इससे न केवल खिलाड़ियों को अपने खेल करियर में आगे बढ़ने

का मौका मिलेगा, बल्कि राज्य का प्रतिनिधित्व भी और मजबूत होगा, क्योंकि अब उन्हें अनुमति लेने में कोई बाधा नहीं आएगी। मंत्रिमंडल ने वाराणसी में निमर्णधीन डॉ. सूर्यमूर्तलदे स्पोर्ट्स स्टेडियम, सिगरा के संचालन, प्रबंधन और रखरखाव तथा राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के साथ हुए एमओयू को मंजूरी दे दी है। यह वही स्टेडियम है, जहां खेलो इंडिया योजना के तहत आधुनिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया गया है। एमओयू के तहत स्टेडियम परिसर में मौजूद खेल सुविधाओंय जैसे, भवन, ढांचे, मैदान और अन्य अवसरचनाओं को साई को सौंपा जाएगा, ताकि यहां नेशनल सेंटर ऑफि एक्सीलेंसी की स्थापना और संचालन सुचारु रूप से हो सके। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बनने के बाद प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों को बड़ा मंच मिलेगा। विभिन्न आयु वर्गों और खेल विधाओं के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जाएगी और उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। इससे

न सिर्फ उत्तर प्रदेश की खेल प्रतिभा को मजबूत प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य का प्रतिनिधित्व भी और सशक्त होगा। सरकार का मानना है कि इस पहल से खिलाड़ियों के सामने भविष्य में रोजगार और खेल करियर दोनों की संभावनाएं बढ़ेंगी, साथ ही वाराणसी देश के प्रमुख खेल केंद्रों में से एक के रूप में उभरकर सामने आएगा।

सड़कों पर उतरी जागरूकता, हस्तादारों में दिखा संकल्प



रंग में रंगा नजर आया। स्वास्थ्य विभाग की पहल पर कलेक्ट्रेट परिसर में हस्ताक्षर अभियान और जागरूकता रैली का आयोजन हुआ। डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता रंग हरीझंडी दिखाकर रैली को खाना किया। कार्यक्रम के शुभारंभ पर डीएम ने हस्ताक्षर बैनर पर अपना स्टेम्प दर्ज करते हुए कहा कि एड्स से जुड़े श्रितियां समाज में सबसे बड़ खतरा है। जागरूकता और सही जानकारी ही इससे बचाव का सर्वोत्तम उपाय है। उन्होंने लोगों से सुरक्षित व्यवहार अपनाने और दूसरों को भी इसके प्रति प्रेरित करने की अपील की। इसके बाद कलेक्ट्रेट परिसर से रैली निकली गई जिसमें बड़ी संख्या में महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं स्कूला्ट एंड गाइड, एनसीसी कैडेट्स, स्वास्थ्य विभाग के कार्मिक शामिल रहे। रैली के दौरान छात्र हाथों में तख्तियां और बैनर लिए नारे लगाते चल रहे थे एड्स से न उड़े जाने और बच्चे जागरूकता लाएं-एड्स मुक्त समाज बनाएं। रैली शहर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए आमजन को जागरूक करती रही। रास्ते भर छात्रों ने राहगीरों को जागरूकता फ्लैटेट वितरित किए। रैली अंत में सीएमओ कार्यालय पहुंचकर संपन्न हुई, जहां सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता ने एड्स जागरूकता से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। जिले में पूरे दिसंबर माह में जागरूकता गतिविधियों की श्रृंखला जारी रहेगी, जिसमें स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान एसीएमओ डॉ एससी मिश्र, डॉ रवि मोहन गुप्ता, डिप्टी डीटीओ डॉ नवीन गुप्ता, डिप्टी सीएमओ डॉ लाल जी पासी, डॉ धनीराम, डीपीएम अनिल यादव, जिला डीपीएम कॉन्डिनेटर रणजीत कुमार, टीबी एचआईवी कॉन्डिनेटर अनुदीप बर्मा मौजूद रहे

जीएलए के 14वां दीक्षांत समारोह आज, 5548 विद्यार्थियों को मिलेंगी उपाधियां

-समारोह में 21 गोल्ड और 21 -सिल्वर मेडलिस्ट मेधावियों को पदक और विभिन्न पाठ/क्रमों के 5548 सफल विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी

(मथुरा) जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा (उ.प्र.) का 14वां दीक्षांत समारोह आज (बुधवार) को आयोजित होगा। इसके लिए मंगलवार को रिहसल कर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री वित्त मंत्रालय पंकज चौधरी व विशिष्ट अतिथि आईआईटी कानपुर भौतिकी विभाग के पूर्व प्रोफेसर पदमश्री एचसी वर्मा तथा सिप्ला हेल्थ लि. मुंबई के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ शिवम पुरी होंगे। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल करेंगे।

कुलसचिव ने बताया कि कार्यपरिषद की बैठक में मेडल व डिग्री हासिल करने वालों के लिए स्वीकृति की प्रक्रिया को पूरा कर लिया है। स्वर्ण पदक समेत विशेष पदकों के विजेताओं की सूची को अंतिम रूप से जांचा गया है। समारोह में 21 गोल्ड और 21 सिल्वर मेडलिस्ट मेधावियों को पदक और सेंटर ऑफ डिस्टेंस ऑनलाइन एजुकेशन की 1166 डिग्रियों सहित 5548 उपाधियां प्रदान करेंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि मंच पर विशिष्ट अतिथियों को मानद उपाधि से नवाजा जायेगा।

कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता, कुलसचिव अशोक कुमार सिंह सहित अन्य जीएलए विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों ने अपनी-अपनी भूमिकाओं व स्क्रिप्ट का रिहसल भी किया।

अतिथि का होगा भव्य स्वागत

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि केन्द्रीय राज्यमंत्री वित्त मंत्रालय पंकज चौधरी व विशिष्ट अतिथि आईआईटी कानपुर भौतिकी विभाग के पूर्व प्रोफेसर पदमश्री एचसी वर्मा तथा सिप्ला हेल्थ लि. मुंबई के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ शिवम पुरी पहली बार विश्वविद्यालय के किसी बड़ेछ कार्यक्रम में आ रहे हैं, ऐसे में उनके भव्य स्वागत की तैयारी की गयी हैं। अंतिम दिन तैयारियों का कुलसचिव अशोक कुमार सिंह ने पूर्ण तैयारियां का मौके पर पहुंचकर जायजा लिया। इस मौके पर डा. विनय तौमर, डा. विजय द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

छात्रों की उपाधियों पर एक नजर

जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा (उ.प्र.) से वर्ष 2025 में पीएचडी के 69, बीएससी ऑनर्स एग्रीकल्चर 71, बीएससी ऑनर्स बायोटेक के 21, बीएससी ऑनर्स कैमिस्ट्री के 19, बीएससी ऑनर्स फिजिक्स के 11, बीए ऑनर्स अंग्रेजी के 23, बीबीए के 215, बीबीए ऑनर्स 147, बीबीए फेमिली बिजनेस 24, बीकॉम ऑनर्स ग्लोबल एकाउंटिंग 10, बीकॉम ऑनर्स 59, बीकॉम बायोटेक्नोलॉजी 24, बीटेक सिविल इंजीनियरिंग 39, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग 32, इलेक्ट्रॉनिक्स 5, मैकेनिकल इंजीनियरिंग 41, एमई ऑटोमोबाइल एवं मेकाट्रॉनिक्स 2, बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्यूटेशन इंजी. 23, ईसी सीएस 34 एवं वीएलएसआई 9, कम्प्यूटर साइंस के 1138, बीटेक ऑनर्स सीएस 28, सीएस एआईएमएल 153, सीएस सीसीवी 25, सीएस डीए 34, सीएस सीएसएफ 24, सीएस आइआइओटी 7, बीसीए 476 एवं ऑनर्स 37, बीफार्म 77, बीएड 20, बीए एलएलबी ऑनर्स 42, बीकॉम एलएलबी ऑनर्स 12, एमएससी एग्रीकल्चर एग्रोनॉमी, एंटेनोलॉजी एवं जीपीबी 3, एमएससी बायोटेक 10, माइक्रो एंड इन्स्यूनोलॉजी 5, एमएससी कैमिस्ट्री 11, गणित 4, फिजिक्स 3, एमटेक सीई स्ट्रक्चरल एवं ट्रांसपोर्टेशन 4, एमटेक सीएस 7, ईई 2, ईसी 2, एमटेक एमई प्रोडक्शन 3, एमबीए 604, एमबीए-बीए 25, ऑनर्स 30, एफएमबी 33, इंटेग्रेटेड 8, एलएससीएम 27, एमसीए 240, एफार्म फार्माकोलॉजी एवं फार्मास्युटिक्स 25, एलएलएम बीएफआईएल एवं सीडीपीएल के 14 विद्यार्थियों की उपाधि अनुमोदित की गई है। इसके अलावा डिप्लोमा कैमिकल के 12, डिप्लोमा सिविल इंजी. के 29, डिप्लोमा सीएस के 79, डिप्लोमा आई 68, डिप्लोमा ईसी के 15, डिप्लोमा एमई के 116, डिप्लोमा इन लाइब्रेरी इंफॉर्मेशन साइंस के 7 तथा डिप्लोमा इन फार्मसी के 45 विद्यार्थियों को डिप्लोमा सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे।

आनलाइन उपस्थिति प्रणाली पर सचिवों का फूट गुस्सा

-बहुआ सहित ब्लॉों में काली पट्टी बांधकर किया विरोध प्रदर्शन

बहुआ, फतेहपुर (संवाददाता)। पंचायती राज विभाग द्वारा अद्यानक लागू की गई पेंसियल रिकॉमिशन आधारित ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली ने जिले के ग्राम पंचायत एवं ग्राम विकास अधिकारियों में व्यापक आक्रोश पैदा कर दिया है। बिना इंटरनेट, उचित डिवाइस, प्रशिक्षण और तकनीकी संसाधनों के जिस डिजिटल उपस्थिति व्यवस्था को थोपने का प्रयास किया जा रहा है उसके विरोध में सचिव संसर्ग ने चार चरणों वाला बड़ आंदोलन शुरू कर दिया है। सचिवों का कहना है कि अव्यवहारिक डिजिटल प्रणाली, संसाधनों की भारी कमी और बड़ो विभागीय दबाव के चलते प्रदेशभर में सचिव मानसिक तनाव झेल रहे हैं। कई बार अनुरोध किए जाने के बावजूद समाधान न मिलने पर सचिव संसर्ग ने प्रदेशव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है। बताया गया कि आंदोलन एक दिसंबर से 15 दिसंबर तक चार चरणों में चलेगा।

केन्द्र व राज्य सरकार की ऋण से सम्बंधित योजनाओं का व्यापक कराया जाय प्रचार-प्रसार : डीएम

फतेहपुर(संवाद दाता) जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति (डीसीसी) एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति (डीएलआरसी) की बैठक कलेक्ट्रेट महात्मा गंधी सभागार में जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। वित्तीय वर्ष 2025–26 के द्वितीय त्रैमास में दिनांक 30.09.2025 में जनपद का ऋण जमानुगत 50.06 रहा है। जिस पर जिलाधिकारी ने बैंकर्स को निर्देशित किया कि जनपद का ऋण जमानुगत बढ़ाए। बैठक मे वार्षिक ऋण योजना(2025–26), प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार सृजन योजना, एक जनपद एक उत्पाद, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी



विकास अभियान, मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, मुख्यमंत्री माटी कला योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूह की प्रगति वित्तीय समावेशन, साक्षरता एवं जागरूकता अभियान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना,

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम योजना की प्रगति, पशुपालन एवं मत्स्य पालन किसान क्रेडिट कार्ड विशेष कैंप की प्रगति, आरसेटी प्रशिक्षण केंद्र के क्रियाकलापों का अनुश्रवण आदि की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देशित किया कि

101 रैपिड एक्शन फोर्स का 36वाँ स्थापना दिवस समारोह सम्पन्न अखंड रामचरित मानस पाठ के साथ बड़ा खाना का हुआ आयोजन

विजडम इंडिया प्रयागराज (विनोद द्विवेदी जिला संवाददाता) दिनांक 01 दिसंबर 2025 को 101 रैपिड एक्शन फोर्स द्वारा बड़े धूमधाम के साथ 36वें स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस समारोह का उद्देश्य वाहिनी के गौरवपूर्ण इतिहास, कर्तव्यनिष्ठ सेवा, उपलब्धियों का स्मरण तथा समाज व राष्ट्र के प्रति इसके महत्वपूर्ण योगदान का सम्मान करना था।

इस शुभ अवसर पर श्री. हरिओम सारार, द्वितीय कमान अधिकारी–101 आर.ए.एफ व अन्य अधिकारी एवं जवानों ने शहीद स्मारक पर शहीद पुलिस कार्मिकों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात् द्वितीय कमान अधिकारी महोदय द्वारा क्वार्टर गार्ड पर सलामी ली तथा गार्ड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर महोदय ने सम्बोधित करते हुए कहा कि 101 रैपिड एक्शन फोर्स सदैव देश की आंतरिक सुरक्षा, भीड़–नियंत्रण, सामुदायिक सद्भाव, आपदा राहत, तथा संवेदनशील परिस्थितियों में त्वरित कार्यवाही हेतु प्रतिबद्ध रही है। इस वाहिनी ने पिछले वर्ष विभिन्न राज्यों में शांति स्थापना, आपातकालीन अभियानों और मानवता आ्द गारित पुलिसिंग में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इसी के साथ कार्मिको एवं उनके परिवारजनों को वाहिनी के 36वें स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

इसी कम में वाहिनी के मंदिर प्रांगण में अखण्ड रामायण का पाठ–पूजन एवं हवन कर 101 वाहिनी आर.ए.एफ परिवार हेतु सुख–शांति की कामना की गई तथा प्रसाद वितरण किया गया। जवानों के बीच वॉलीबाल खेल प्रतियोगिता, महिला कार्मिकों के बीच खो–खो प्रतियोगिता तथा रात्री भोजन में बड़े खाने का आयोजन किया गया।

उक्त अवसर पर श्री. पुर्नवसु तिवारी (द्वि.कमा.अधि.). श्री. नितिन कुमार (उप.कमा.) श्री. यज्ञ कुमार सिंह (उप. कमा.) अन्य अदि कारी गण, अधीनस्थ अधिकारी गण, जवान व महिला कार्मिक उपस्थित रहे।

एसआईआर को गति देने के लिए प्रशासन सक्रिय, डीएम ने ली बैठक

- बीएलओ के सहयोग में लगाया जाए अतिरिक्त स्टाफ, बढ़ाए प्रगति

- बीएलओ को तनाव मुक्त रखने पर डीएम ने दिया विशेष जोर



लखीमपुर खीरी(संवाद दाता) जिले में विक्षिप्त प्रगाढ़ पुरशिक्षण कार्य को तेज, संतुलित और प्रगती बनाने के उद्देश्य से डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने सोमवार को अटल सभागार में खंड शिक्षा अधि कारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

डीएम ने डिजिटाइज़ेशन की प्रगति का विस्तृत मूल्यांकन किया और उन मतदये स्थलों पर विक्षिप्त रणनीति बनाने को कहा। जहां प्रगति 65 फीसदी से कम रही। बैठक का संचालन एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह व बीएसए प्रवीण कुमार तिवारी ने किया।



समूह कम्पनी श्री रामनिधि फाइननेन्स खोलकर लोगों को 70 हजार रुपये के लोन देने की बात व प्रतिमाह 3500 रुपये किस्त देने की बात कही गई। साथ ही बताया गया कि लोन लेने से पूर्व

हमारी कम्पनी से जुड़ने व दुर्घटना, हेल्थ बीमा कराने हेतु 3500 रुपये



प्रति व्यक्ति लेकर फरार हो गए। इस संबंध में थाना कोतवाली नगर पर प्राप्त तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजी.

जिलाधिकारी ने जनसुनवाई कर शिकायतो को समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश



हमीरपुर। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कर जन सामान्य की शिकायतों को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने के निदेश दिए। जनसुनवाई में लगभग 93 शिकायते प्राप्त हुईं जिनमें से अधिकश का जिलाधिकारी ने त्वरित ढंग से मौके पर निस्तारण कर दिया। शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने समस्त एसडीएम , खंड विकास अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ वर्कअल, जून एप के माध्यम से बैठक कर उनके तत्काल निस्तारण हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ व अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का त्वरित ढंग से निस्तारण किया जाए इसमें किसी भी तरह किसी शिथिलता न बरती जाए। जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई आईजीआरएस व अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाले प्रकरणों का सभी संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण कर उसकी समय से आख्या दी जाए।

आगामी लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए महिला अधिकारी गण ने प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी



हमीरपुर। जनपद न्यायाधीश मनोज कुमार राय की अध्यक्षता में आगामी लोक अदालत दिनांक 13 दिसंबर 2025 के सफल आयोजन हेतु महिला सम्मान को सर्वोपरि रखने उद्देश्य से हमीरपुर जजशिफ में कार्यरत महिला न्यायिक अधिाकारीगण द्वारा लोक अदालत के प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर खाना किया गया। प्रचार वैन का मुख्य उद्देश्य लोक अदालत के सम्बन्ध में जानकारी देकर आम जन मानस को जागरूक करना है इस अवसर पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण महेंद्र कुमार पाण्डेय द्वारा बताया गया कि दिनांक 10 दिसंबर 2025 को प्रचार वैन पुनः निकाली जायेगी। जो जनपद के दूरस्थ स्थानों पर जायेगी ताकि ग्रामीण लोगों को भी लोक अदालत के बारे में जानकारी प्राप्त हो सके तथा अधिक से अधिक लोग उसका लाभ ले सकें। प्रचार वाहन जनपद न्यायालय हमीरपुर से बस स्टैण्ड, कालपी चौराहा, सिटी फॉरेस्ट, जिला अस्पताल, डिग्री से हटते हुये लक्ष्मीबाई तिराहा, मेरपुर, भिलावां, रंसेड़ी तिराहा दीक्षित स्वीट्स, केतवाली से चौरादेवी जनपद के विभिन्न स्थानों में प्रचार वैन के माध्यम से लोगों को जानकारी प्रदान की गयी। इस अवसर पर प्रथम अपर जिला जज उदय वीर सिंह, विशेष न्यायाधीश एससीएस. टी. एक्ट रनवीर सिंह, विशेष न्यायाधीश दप्रक्षे अनिल कुमार खरवार, सिविल जज सी.डि. श्रीमती निहारिका जायसवाल, सिविल जज सी.डि.एफ.टी.सी. श्रीमती वन्दना अग्रवाल, सिविल जज (जूडि) अंकेत पाल, सिविल जज (जूडि)ः एफटी0सी0 महिलाओं के विरुद्ध अपराध। सुश्री कीर्ति मिश्रा, सिविल जज (जूडि)ःएफटी0सी0 सुश्री शैली शरण, अ. यक्ष रंथाई लोक अदालत प्रमोद कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

आयुष्मान शिविर का आयोजन



हमीरपुर। नगर पालिका हमीरपुर क्षेत्र के मंझपुर एवं कांशीराम कलानी में आयुष्मान शिविर का आयोजन किया गया। जनपद में 25 नवम्बर से 25 दिसम्बर 2025 तक आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश शासन से दिये गये हैं। जिसके अनुपालन में पूरे जनपद में 14 शहरी एवं ग्रामीण स्थानो पर शिविर का आयोजन किया गया। इस जनपदों में इस तरह की आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश शासन से दिये गये हैं। जिसके अनुपालन में पूरे जनपद में 14 शहरी एवं ग्रामीण स्थानो पर शिविर का आयोजन किया गया। इस अभियान की समीक्षा स्वयं जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक सोमवार को की जा रही है तथा मुख्य विकास अधिकारी महोदय द्वारा प्रतिदिन

हैल्थ बीमा कराने हेतु पहले ही 3500 रुपये जमाना करने को कहते थे और जब पैसा आ जाता था तब रातों—रात कम्पनी आदि बंद कर स्थान बदल दिया करते थे और हमारे द्वारा पहले भी कई अन्य जनपदों में इस तरह की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से घटना में कारित 01 लाख 60 हजार 650 रुपये नकद बरामद हुये है। पुलिस द्वारा कड़ी से कड़ी जोड़कर अन्य जानकारी प्राप्त की जा रही है कि अभियुक्तों द्वारा और कहां—कहां इस प्रकार की घटनाओं को कारित किया गया व इसमें अन्य और कितने सदस्य शामिल है।



कमलेश पांडे ।
जानकार बताते हैं कि भारत के विनिर्माण क्षेत्र में हालिया वृद्धि (जैसे जुलाई 2025 में 5.4: और फ२ थ्र२6 में मजबूत उत्पादन) के प्रमुख कारण मजबूत घरेलू मांग, नए ऑर्डरों का उछाल तथा जीएसटी दर कटौती रहे। क्षमता उपयोग 75: तक पहुंचा,

सम्पादकीय विपक्ष के लिए गहरे आत्म-मंथन का विषय

अब भविष्य सिर्फ उन शक्तियों का है, जो राजनीति की नई समझ और परिभाषा अपना सकें। जो राजनीति की ऐसी समझ अपना सकें, जिसमें चुनाव लड़ना ही एकमात्र गतिविधि ना हो। जिसमें उद्देश्य आध्ासित संगठन, संघर्ष, और रचनात्मक कार्यक्रम समान रूप से महत्वपूर्ण हों। दरअसल, ऐसी राजनीति जो करेगा, दीर्घकाल में उसके लिए ऐसा जन समर्थन अपने-आप तैयार होगा, जिससे उसे चुनावी सफलता मिले। किसी राज्य में चुनाव हो, तो इस दौर में वहां मंच सज्जा में कई समान पहलू मौजूद रहते हैं और ऐसा बिहार में भी था। बाकी बातें स्थानीय समीकरणों और परिस्थितियों से तय होती हैं हालांकि उनमें भी कुछ समानताएं ढूंढी जा सकती हैं। तो कुल मिलाकर बिहार में जो चुनाव नतीजा सामने आया, वह पहले से जारी ट्रेंड के काफी कुछ अनुरूप है। साथ ही इन नतीजों ने उस रुझान को और आगे बढ़ाने में अपने तई कुछ खास योगदान किया है।

ये रुझान भारतीय लोकतंत्र के वर्तमान एवं भविष्य के बारे में कुछ ठोस संकेत देते हैं—

आइए, इसकी विस्तार से चर्चा करते हैं।
मंच के नेपथ्य में जो बातें आज हर जगह मौजूद रहती हैं, उनमें सबसे महत्वपूर्ण है चुनाव प्रणाली को लेकर पैदा हुए संदेह। बिहार का चुनाव आते-आते यह पहलू अत्यधिक गंभीर हो गया। इसमें बड़ा योगदान इस चुनाव से ठीक पहले मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (रव्दढक) कराने के निर्वाचन आयोग के फैसले का रहा। कई ऐसे कारण हैं जो सघन होकर अब चुनाव की पूरी प्रक्रिया पर संदेह का साया डाल रहे हैं। उनमें प्रमुख हैंरू मतदाता सूची, जिसमें शामिल और निकाले गए नामों को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। मतदान के दिन आखिरी घंटों में असामान्य रूप से अधिक मतदान की शिकायत लगातार आ रही है। कई जगहों पर कुछ, खासकर अल्पसंख्यक समुदाय के मतदाताओं के मतदान की राह में जानबूझ कर रुकावट खड़ा करने की कथित कोशिशों के इल्जाम लगते हैं।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों में हेरफेर की चर्चाएं हर बार गर्म होती हैं। विपक्ष की मांग के मुताबिक वीवीपेट पंथियों की गिनती ना करने के निर्वाचन आयोग के फैसले से विपक्षी खेमों में यह संदेह और गहराया है।मतगणना के दौरान जहां हार-जीत का अंतर कम हो, वहां प्रशासनिक हेरफेर से परिणाम को प्रभावित करने के आरोप कई चुनावों में लगे हैं। 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल ने ऐसे संगीन आरोप लगाए थे। बाद में उत्तर प्रदेश में भी ऐसे मामले चर्चित हुए। चुनाव कार्यक्रम तय करने में निर्वाचन आयोग की भूमिका संदिग्ध ा होती गई है। विपक्षी दलों का इल्जाम है कि चुनाव कार्यक्रम केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी की सुविधा से तय किए जाते हैं।

आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू करने में कथित भेदभाव की शिकायतें आती हैं। ऐसे मामले चर्चित हुए हैं जब एक जैसे मामलों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं पर आचार संहिता लागू में निर्वाचन आयोग ने अलग पैमाने अपनाए।

निर्वाचन आयोग का भेदभाव बिहार के ताजा चुनाव में एक अलग मुकाम पर पहुंचा, जब महिलाओं के खाते में दस हजार रुपये ट्रांसफर करने की प्रक्रिया चुनाव के दौरान भी चलती रही। पहले कई चुनावों में निर्वाचन आयोग ने आचार संहिता लागू होने के दौरान ऐसी योजनाओं के अमल पर रोक लगा दी थी, लेकिन बिहार में इसे पहले से चल रही योजना बता कर जारी रहने दिया गया।

ये वो बातें हैं, जो मंच पर घटती दिखती हैं। लेकिन पृष्ठभूमि में कम-से-कम दो और पहलू हैं, जिनसे चुनावी मुकाबले का धरालत सत्ता पक्ष के हक में झुकता चला गया है। इनमें एक तो उसके पास धन की अकूत उपलब्धता है, जो पूंजीपति वर्ग के समर्थन से उसे प्राप्त हुआ है। दूसरी बात का संबंध भी इस वर्ग के समर्थन से जुड़ा है। चूंकि मेनस्ट्रीम मीडिया का स्वामित्व पूंजीपतियों के हाथ में ही है, इसलिए मीडिया का अनवरत समर्थन सत्ता पक्ष को मिला रहता है। शिकायत है कि चुनाव हों या नहीं, हर वक्त मेनस्ट्रीम मीडिया सत्ता पक्ष के नजरिए से नैरेटिव प्रचारित करने में जुटा रहता है। फिर सोशल मीडिया पर भी सत्ता पक्ष का बेहिसाब प्रभाव है।इन तमाम वो पहलू हैं, जिनकी वजह से भारत में चुनावी धरालत समान नहीं रह गया है। चुनाव कोई भी हो, उसमें ये धरालत भाजपा के पक्ष में पहले से झुका रहता है। उस धरालत पर जब दूसरी पार्टियां मुकाबले के लिए उतरती हैं, तो उनके सामने एक और चुनौती सांप्रदायिक ध् रूवीकरण से बने माहौल से निपटने की होती है। यह ध् रूवीकरण नफरत भरी सांप्रदायिक ध्वनियों के लगातार गुंजते रहने से बनी हुई है। भाजपा और उसके साथी संगठन चुनावों के वक्त पर इन ध्वनियों का वॉल्यूम कुछ और तेज कर देते हैं।एक समय विपक्षी पार्टियों को लगता था कि जातीय ध् रूवीकरण से सांप्रदायिक ध् रूवीकरण का मुकाबला कर लेंगी। लेकिन अब उनका यह हथियार भी भोथरा हो चुका है। इसकी वजह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघं भाजपा की कथित सोशल इंजीनियरिंग है, जिसके तहत उन्होंने बहुजन, ओबीसी या दलित पहचान को खंडित कर दिया है। इन समूहों के अंदरूनी अंतर्विरोधों को बढ़ाते हुए अलग-अलग जातियों को प्रतिनिधित्व देकर उन्होंने जातीय पहचान की राजनीति को अपनी थाती बना लिया है। परिवार केंद्रित हो जाने और कुछ जातियों के ध् रूवीकरण पर निर्भरता बढ़ाते जाने के कारण आरजेडी, समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी आदि जैसे दल अब इस मुकाबले में भाजपा से पिछड़ चुके हैं।इसकी मिसाल बिहार में भी देखने को मिली। इन आंकड़ों पर ध्यान दीजिएरूपादव जाति के अलावा बाकी ओबीसी जातियों ने भारी बहुमत से एनडीए का समर्थन किया।

केंद्र सरकार की सुनियोजित रणनीति का सकारात्मक परिणाम है जीडीपी का मौजूदा

बढ़ना और ग्रामीण मांग में सुधार मुख्य प्रेरक बने। वहीं, अन्य सहायक कारक में निजी अंतिम उपभोग व्यय (व्छ्म) में 7.9: की वृद्धि से उपभोक्ता खर्च में उछाल आया, जो आय और रोजगार वृद्धि को दर्शाता है।यही नहीं, महंगाई दर ऐतिहासिक निचले स्तर पर आने से क्रय शक्ति मजबूत हुई, जिसमें खाद्य मूल्यों में कमी और अनुकूल बेस इफ़ेक्ट शामिल है। जबकि मौद्रिक ढील, नियामक सुधारों के विलंबित प्रभाव तथा निर्यात पर सीमित असर ने भी योगदान दिया। यह प्रदर्शन अमेरिकी टैरिफ जैसे वैश्विक दबावों के बावजूद घरेलू मांग की मजबूती दिखाता है।विशेषज्ञ बताते हैं कि भारत की जीडीपी वृद्धि के प्रमुख चालक मजबूत घरेलू मांग, सेवा क्षेत्र की तेजी, सरकारी बुनियादी ढांचा निवेश और कृषि सुधार हैं। हाल की तिमाही में सेवा क्षेत्र ने 9.3: की वृद्धि दर्ज कर कुल जीडीपी को 7.8–8.2: तक खींचा। वहीं, सेवा क्षेत्र जीडीपी का 55: से अधिक योगदान देता है, जिसमें वित्तीय सेवाएं, ई-कॉमर्स और आईटी प्रमुख हैं। इसकी मजबूत वृद्धि ने खपत और रोजगार को बढ़ावा दिया।

वहीं, बुनियादी ढांचा निवेश में सरकार की गतिशक्ति, भारतमाला और राष्ट्रीय इंफ्रास्ट्रक्चर पाइपलाइन जैसी योजनाओं ने पूंजीगत व्यय बढ़ाया। इनसे रोजगार सृजन और निजी निवेश को गति मिली। वहीं कृषि और ग्रामीण मांग बढ़ी है। कृषि क्षेत्र में 3.7: वृद्धि और

इसके प्रमुख कारण निम्नलिखित हैंरू— विनिर्माण (मैनुफैक्चरिंग) और निर्माण क्षेत्र में 8.1: तथा सेवा क्षेत्र में 9.2: की मजबूत वृद्धि ने इस अप्रत्याशित तेजी को संभव बनाया। इसके अलावा, जीएसटी दरों में कटौती, त्योहारों से पहले स्टॉकिंग

राष्ट्रहित का शीतकालीन सल : दृष्टि, दिशा और निर्णायकता का संगम



शिव कान्त मिश्र

शीतकालीन संसद सत्र इस बार अपने साथ न केवल विधेयकों का सामान्य ढेर लेकर आया है, बल्कि एक ऐसी नीतिगत गंभीरता भी लेकर आया है, जिसकी दिशा दूरगामी है और जिसका प्रभाव राष्ट्र की आ्ाशिला पर प्रत्यक्षतः देखा जा सकेगा। यह सत्र उस मानसिकता का प्रतिबिंब है जो प्रधानमंत्री ने उद्घाटन वक्तव्य में व्यक्त की।कृकि संसद केवल नारे लगाने का मंच नहीं, बल्कि देश की नीतियों का हृदय है।आज जब भारत परिवर्तन के निर्णायक चरण में है, तब इस सत्र का हर कदम, हर प्रस्ताव, और हर निर्णय भविष्य के भारत की संरचना गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला है।सरकार द्वारा प्रस्तुत विधेयकों की प्रकृति और प्राथमिकता यह संकेत देती है कि राष्ट्रनिर्माण की दृष्टि अल्पकालीन राजनीति से ऊपर उठकर दीर्घकालीन स्थिरता की ओर अग्रसर है।ऊर्जा सुरक्षा भारत को उज्ज्वल भविष्य देने की तैयारी,बसे पहले ध्यान जाता है परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में सुधार के उस प्रस्ताव पर, जो इस सत्र का सबसे प्रभावशाली कदम कहा जा सकता है। भारत जैसे विशाल और भ्रमरते हुए राष्ट्र के लिए ऊर्जा सुरक्षा

केवल विकास का औजार नहीं, बल्कि अस्तित्व की आवश्यकता है।पारंपरिक ऊर्जा स्रोत सीमित हैं, प्रदूषण के बोझ बढ़ाते हैं और वैश्विक दबाव के बीच टिकाऊ भी नहीं। ऐसे में अहैय परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में सुधार का प्रस्ताव सराहनीय ही नहीं, बल्कि अनिवार्य भी है।यह सु्ार स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में भारत को अग्रणी बनाएगा,,ऊर्जा वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच भारत जिस मजबूती से खड़ा है, उसे और सुदृढ़ करने की दिशा में ये सुधार निर्णायक हों गे।धबीमा और कर व्यवस्थाध्ाजनस्वास्थ्य और राजस्व स्थिरता पर संतुलित दृष्टि,तंबाकू, पान—मसाला जैसी हानिकारक वस्तुओं पर अतिरिक्त उपकर का प्रस्ताव केवल एक आर्थिक कदम नहीं है। इसके भीतर एक गहरा सामाजिक संदेश निहित है,कि सरकार जनस्वास्थ्य की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।यह उपकर प्रणाली,बीमारी बोझ को घटाने में सहायक होगी।स्वास्थ्य परियोजनाओं के लिए संसाधन उपलब्ध कराएंगी।और सामाजिक कल्याण की दिशा को मजबूत करेगी।बीमा क्षेत्र में सुधार सेवा गुणवत्ता को बेहतर बनाएँगे तथा उपभोक्ताओं की सुरक्षा को अिाि सुनिश्चित करेंगे। यह आवश्यक है कि ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में सुधार संतुलित, दूरदर्शी और जनहितकारी हों,और सरकार का यह प्रस्ताव इसी संतुलन में फिट बैठता है।विकास योजनाओं के लिए धन गति और निरंतरता का मंत्र,भारत की विकास परियोजनाओं का दायरा आज अभूतपूर्व है। सड़क, रेल, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और आधारभूत संरचनाकृहर क्षेत्र में विस्तार हो रहा है।ऐसे में इन योजनाओं के लिए अतिरिक्त ध्ान की मांग सरकार के विकास

सामान्य मानसून ने ग्रामीण खपत को समर्थन दिया। यह 15–18: जीडीपी योगदान के साथ 50: आबादी को रोजगार प्रदान करता है। अन्य सु्ार जैसे— पीएलआई योजना ने विनिर्माण को बढ़ावा दिया, जबकि जीएसटी और कॉर्पोरेट कर सुधारों ने व्यापार वातावरण सुधारा। जबकि आत्मनिर्भर भारत ने नवाचार और निर्यात को प्रोत्साहित किया।

जानकार बताते हैं कि भारत के विनिर्माण क्षेत्र में हालिया वृद्धि (जैसे जुलाई 2025 में 5.4: और फ२ थ्र२6 में मजबूत उत्पादन) के प्रमुख कारण मजबूत घरेलू मांग, नए ऑर्डरों का उछाल तथा जीएसटी दर कटौती रहे। क्षमता उपयोग 75: तक पहुंचा, जिससे 87: इकाइयों ने उच्च उत्पादन दर्ज किया। वहीं घरेलू मांग में बढ़ोतरी हुई। घरेलू बाजारों से ऑर्डर बुक में वृद्धि हुई, विशेषकर ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीन टूल्स और धातु क्षेत्रों में। 83: निर्माताओं को आने वाले महीनों मेंअधिक ऑर्डर की उम्मीद है। नीतिगत समर्थन जैसे— पीएलआई योजना, मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत ने निवेश आकर्षित किया, जबकि के प्रमुख कारण भारत में बढ़े पैमाने पर सरकारी निवेश, विशेष रूप से राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन (छत्ते) कार्यक्रम द्वारा, है जो ऊर्जा, सड़क, रेलवे, शहरी विकास और अन्य क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देता है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025–26 में पूंजीगत व्यय के रूप में रिकॉर्ड 265 लाख करोड़ रुपए आवंटित

कई महत्वपूर्ण संरचनात्मक सु्ार पेश किए हैं।इन सुधारों का संदेश सीधा है,भारत निवेशकों के लिए तैयार है, और स्थिरता के साथ आगे बढ़ना चाहता है।यह पहल,घरेलू और विदेशी निवेशकों का विश्वास बढ़ाएगी।अर्थव्यवस्था में पूँजी प्रवाह को सुचारु करेगी।और उद्योग व रोजगार सृजन को गति देगी।आज वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच भारत जिस मजबूती से खड़ा है, उसे और सुदृढ़ करने की

दिशा में ये सुधार निर्णायक हों गे।धबीमा और कर व्यवस्थाध्ाजनस्वास्थ्य और राजस्व स्थिरता पर संतुलित दृष्टि,तंबाकू, पान—मसाला जैसी हानिकारक वस्तुओं पर अतिरिक्त उपकर का प्रस्ताव केवल एक आर्थिक कदम नहीं है। इसके भीतर एक गहरा सामाजिक संदेश निहित है,कि सरकार जनस्वास्थ्य की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है।यह उपकर प्रणाली,बीमारी बोझ को घटाने में सहायक होगी।स्वास्थ्य परियोजनाओं के लिए संसाधन उपलब्ध कराएंगी।और सामाजिक कल्याण की दिशा को मजबूत करेगी।बीमा क्षेत्र में सुधार सेवा गुणवत्ता को बेहतर बनाएँगे तथा उपभोक्ताओं की सुरक्षा को अिाि सुनिश्चित करेंगे। यह आवश्यक है कि ऐसे संवेदनशील क्षेत्रों में सुधार संतुलित, दूरदर्शी और जनहितकारी हों,और सरकार का यह प्रस्ताव इसी संतुलन में फिट बैठता है।विकास योजनाओं के लिए धन गति और निरंतरता का मंत्र,भारत की विकास परियोजनाओं का दायरा आज अभूतपूर्व है। सड़क, रेल, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता और आधारभूत संरचनाकृहर क्षेत्र में विस्तार हो रहा है।ऐसे में इन योजनाओं के लिए अतिरिक्त ध्ान की मांग सरकार के विकास

संकल्प को ही प्रकट करती है। यह सुनिश्चित करता है कि कोई परियोजना संसाधनों के अभाव में अटक न जाए।अतिरिक्त संसाधन,ग्रामीण विकास को तेज करेगे।शहरों की सुविधाओं को आधुनिकता देंगे। और सामाजिक कल्याण योजनाओं में निरंतरता सुनिश्चित करें गे।यह कदम आर्थिक अनुशासन और विकास के संतुलन का प्रमाण है।ध्ंसंसदीय संस्कृति का नया अध्यायरू नारे नहीं, नीतियाँ इस सत्र की सबसे उल्लेखनीय बात प्रधानमंत्री का वह संदेश है जिसने संसद के वातावरण को नई दिशा दी कि संसद राष्ट्रहित की नीतियों का मंच है, नाटकीयता का नहीं।यह संदेश केवल शब्द नहीं, बल्कि एक राजनीतिक संस्कृति का निर्माण है।भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि संसद में बहस हो, समाधान निकले, और देश का समय व्यर्थ न जाए।यदि यह कार्य—संस्कृति मजबूती से स्थापित होती है, तो भारत की नीतियों न केवल राजनीति नहीं, बल्कि परिणाम भी तेज और स्थायी होंगे।ध्विकसित भारत की ओर एक दृढ़ कदमशीतकालीन संसद सत्र की समय दिशा स्पष्ट है,यह सत्र राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति का सत्र है।ऊर्जा सुरक्षा, शिक्षा सुधार, निवेश स्थिरता, जनस्वास्थ्य, और विकास की निरंतरता इन सभी आयामों में सरकार ने जो दृष्टि प्रस्तुत की है, वह भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प से सीधे जुड़ी हुई है।यह सत्र हमें स्मरण करता है कि जब नीति—निर्माण दीर्घकालीन सोच के साथ होता है, तो राष्ट्र अपने भविष्य को मजबूती से थाम लेता है।भारत आज निर्णायक मोड़ पर खड़ा है और इस सत्र में उठाए गए कदम बताते हैं कि यह देश सही दिशा में, स्थिर गति से आगे बढ़ रहा है।

भारत की आर्थिक विकास दर ने पूरे विश्व को चौंकाया

प्रह्लाद सबनानी ।
जैसे ही वित्तीय वर्ष 2025–26 की द्वितीय तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े जारी हुए कुछ मूर्धन्य पत्रकार तुलन्त अपने आंकलन के साथ मीडिया में उपस्थित हो गए एवं अपनी प्रतिक्रिया में यह बताने का प्रयास करने लगे कि भारत की आर्थिक विकास दर तो इतनी तेज गति से आगे बढ़ ही नहीं सकती।वित्तीय वर्ष 2025–26 की द्वितीय तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 5.6 प्रतिशत रही थी। विशेष रूप से

भी वृद्धि दर्ज की 7.4 प्रतिशत (पिछले वर्ष 6.1 प्रतिशत)। केंद्र सरकार के उपक्रमों एवं डिफेंस के क्षेत्र में भी 16 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। कृषि क्षेत्र में 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। कृषि क्षेत्र में 4.1 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 3.5 प्रतिशत हो गई है एवं कन्स्ट्रक्शन क्षेत्र में भी वृद्धि दर पिछले वर्ष 8.4 प्रतिशत की तुलना में इस वर्ष घटकर 7.2 प्रतिशत रही है।जैसे ही वित्तीय वर्ष 2025–26 की द्वितीय तिमाही के सकल घरेलू उत्पाद के आंकड़े जारी हुए कुछ मूर्धन्य पत्रकार तुरन्त अपने आंकलन के साथ मीडिया में उपस्थित हो गए एवं अपनी प्रतिक्रिया में यह बताने का

कि भारत के सेवा क्षेत्र में हालिया वृद्धि (जैसे जून 2025 में च्छ् 60.4 तक पहुंचना) के प्रमुख कारण घरेलू एवं निर्यात मांग में तेजी, नए ऑर्डरों का उछाल तथा डिजिटल सेवाओं का विस्तार रहे। कोविड के बाद वित्तीय, आईटी और प्रोफेशनल सेवाओं ने समग्र जीवीए वृद्धि को पीछे छोड़ा। मांग वृद्धि हुई। घरेलू बाजारों के साथ एशिया, मध्य पूर्व एवं अमेरिका से निर्यात मांग में उल्लेखनीय तेजी आई जो नए कारोबार को बढ़ावा दे रही।वहीं, आय स्तर बढ़ने से पर्यटन, ई-कॉमर्स, स्वास्थ्य एवं मनोरंजन सेवाओं की मांग बढ़ी। डिजिटल परिवर्तन यथा—ऑनलाइन भुगतान, ई-कॉमर्स एवं उच्च तकनीक सेवाओं की ओर तेज संक्रमण ने उत्पादकता बढ़ाई। वहीं, नीतिगत सु्ाएँ एवं बेहतर आधारभूत संरचना ने 55: जीडीपी योगदान को मजबूत किया। रोजगार एवं लागत लाभ बढ़े लगातार 37 महीनों से रोजगार सृजन जारी रहा, जबकि इनपुट लागत 10 महीनों के निचले स्तर पर पहुंची। इससे कंपोजिट च्छ् 61.0 तक मजबूत हुआ।जानकारों का यह भी कहना है कि आधारभूत संरचनाओं के क्षेत्र में वृद्धि के प्रमुख कारण भारत में बढ़े पैमाने पर सरकारी निवेश, विशेष रूप से राष्ट्रीय बुनियादी ढांचा पाइपलाइन (छत्ते) कार्यक्रम द्वारा, है जो ऊर्जा, सड़क, रेलवे, शहरी विकास और अन्य क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देता है। सरकार ने वित्त वर्ष 2025–26 में पूंजीगत व्यय के रूप में रिकॉर्ड 265 लाख करोड़ रुपए आवंटित

युवा देश, बूढ़े राजनेता: बदलते भारत में नेतृत्व की उम्र पर बड़ा सवाल



प्रदीप फुटेला वरिष्ठ पत्रकार, संवादक कुमार्ऊ केसरी

भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में गिना जाता है।क्यूँअसत उम्र करीब 28.4 साल। यानी आधे से ज्यादा आबादी 30 साल से कम उम्र की। कॉलेज, स्टार्टअप, टेकनोलॉजी, रिकलिंग, वैंल्यू-बेस्ड करियरस्युधा देश तेजी से आगे बढ़ना चाहता है। लेकिन विड्ढना देखिए, इसे चलाने वाले नेताओं की औसत उम्र 60 से 70 साल के बीच है। सवाल साफ हैक्यू युवा देश, कूड़े राजनेताओं के भरोसे कब तक?राजनीति की उम्र बड़ी, लेकिन युवाओं की हिस्सेदारी घटी रिसर्च बताती ह,2024 लोकसभा में संसदी की औसत उम्र्र 58 साल

70 से ऊपर की उम्र के सांसदों की संख्या लगातार बढ़ रही है,25दु40 साल के युवा सांसद सिर्फ 6दु: के बीच,यह संख्या पिछले दो दशकों में लगभग स्थिर हैक्यूयानी नए चेहरों का असल में प्रवेश नहीं हो रहा।राजनीति की कुर्सी एक बार मिल जाए तो नेता दशकों तक चिपके रहते हैं। पार्टी हाईकमान भी "अनुभव" के नाम पर युवाओं को हाशिए पर ही रखता है। कई पार्टियों ने युवा संगठन तो बनाए लेकिन उन्हें सिर्फ बैनर, पोस्टर और सोशल मीडिया तक सीमित कर दिया गया।युवाओं को राजनीति में आने से क्या रोकता है?रिसर्च और ग्राउंड रिपेर्स् की मानें तो असली बाधाएँ ये हैंरूव्यवहारक टिकट का सबसे बड़ा आधारकूड्ठा और परिवारैसादुबलदुग्भावक युवा कार्यकर्ता ग्राउंड लेवल पर मेहनत करते हैं लेकिन ऊपर आते—आते सिरस्टन उन्हेंथका देता है।राजनीतिक प्रशिक्षण की कमीरू देश में राजनीति को फेरे के तौर पर सीखने की व्यवस्था अभी भी कमजोर।गटजोड़और गुटबाजीरू मजबूत संगठन होते हुए भी सत्ता दल और विष्कूटदलों में युवाओं की भूमिका औपचारिक रह जाती है युवा मु्के कान उठाएगा अगर युवाओं की आवाज ही नहीं पहुँचे? आज देश के असली मु्े सीधे तौर पर युवाओं से जुड़े हैंक बेरोजगारी,स्टार्टअप फिलतला,स्किल गैप,प्रतियोगी परीक्षाओं में घोटाले,महंगाई,डिजिटल श्रम और गलत सूचना,मानसिक स्वास्थ्य,लेकिन संसद में जब बहस होती है तो जिस पीढ़ी ने इन संघर्षों को कभी झेला ही नहींकू वही फैसले कर रही है। यही कारण है कि नीतियाँ या तो जमीनसे कट चुकी लगती हैं या युवाओं के टोनटुट्टेपे को पकड़ ही नहीं पाती।।क्या बदलाव का वक्त आ गया है?रिसर्चर्स का साफ मतकूवोटिंग पैटर्न पूरी तस्वीर बदल सकता है।18दु35 साल के मतदाता कुल वोटर्ों का लगभग 45: हैं।अगर यह समूह ठान ले कि उसे "युवा सोच, आधुनिक विजन और सफाई सियासत" चाहिए, तो सियासत की औसत उम्र एक दशक में बदल सकती है।देश को अनुभव चाहिएकूलेकिन ताजगी भीबात उम्र की नहीं, मानसिकता की है।भारत ऐसे नेताओं की मांग कर रहा हैजो टेकनोलॉजी समझेंग्लोबल मुद्दों को पकेंलाइमेट, ा, डिजिटल पॉलिसी जैसी नई चुनौतियों का जवाब देंऔर सबसे जरूरीक्यूयुवाओं को बराबरी से जगह दें,नुभव का सम्मान जरूरी है, लेकिन अगर वही अनुभव युवाओं के लिए दीवार बन जाए, तो देश की रफ्तार धीमी पड़ती है।

चुका है। भारत में 95 प्रतिशत से अधिक उत्पादों पर वस्तु एवं सेवा कर की दरों को (लगभग 10 प्रतिशत तक) कम कर दिया गया है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों (रेपो दर) में एक प्रतिशत की कटौती की जा चुकी है एवं दिसम्बर 2025 माह में 25 आधार बिंदुओं की एक और कटौती की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। केंद्र सरकार एवं विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा भारत की मातृशक्ति के बैंक खातों, किसानों के बैंक खातों एवं गरीब वर्ग के बैंक खातों में सीधे ही सहायता की राशि जमा की जा रही है।

की वृद्धि (पिछले वर्ष 7.6: से कम) से वास्तविक आय में कमी का संकेत मिलता है, क्योंकि मुद्रास्फीति नकारात्मक रही। ग्रामीण मांग में सुधार (व्छ्म में 7.9: वृद्धि) से अप्रत्यक्ष लाभ हुआ, लेकिन खरीफ का पूर्ण प्रभाव फ३ में दिखेगा।

इस प्रकार भारत की जीडीपी वृद्धि 2025 की तीसरी तिमाही (जुलाई–सितंबर) में8.2 रही, जोअपेक्षाओं से अधिक है और पिछले तिमाही के 7.8: से बेहतर प्रदर्शन दर्शाती है। पूरे वित्तीय वर्ष 2025 के लिए अनुमान 6.5: का है, हालांकि प्छ् ने थ्छ्के के लिए इसे 6.4: पर स्थिर रखा है। प्रमुख चालक में मजबूत घरेलू मांग, सरकारी खर्च में वृद्धि, ङ्क कर कटौती और निर्माण क्षेत्र की तेजी मुख्य कारण रहे। वहीं कृषि क्षेत्र में सामान्य मानसून और ग्रामीण खपत ने भी योगदान दिया, जबकि विनिर्माण और सेवाएं प्रमुख झड़वर बनीं। यँतो कुछ चुनौतियां भी रही। जैसे अमेरिकी 50: टैरिफ, वैश्विक व्यापार अनिश्चितताएं, खाद्य फूनास्फीति, निजी निश्च मेंदेशी और शहरी खपत की कमजोरी बाधाएं है। जबकि संरचनात्मक मु्े जैसे रोजगार सृजन की कमी और व्यापार घाटा ल्की अवधि की वृद्धि को प्राप्ति कर सकते हैं। क्षेत्रीय योगदान के तौर पर निर्माण क्षेत्र में 10.8: वृद्धि, सार्वजनिक प्रशासन में8.9:, वित्तीय सेवाओं में7.2: की तेजी दर्ज हुई। प्राथमिक क्षेत्र में 4.4: की सुधार देखा गया। फूनानुमान2026 में 6.5–6.7: और 2027 में 6.5: वृद्धि का अनुमान है, जो भारत को प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं मेंसबसे तेज बनाए रखेगा।

पार्कों के रखरखाव पर विशेष ध्यान दें निगम कर्मों : महापौर

अयोध्या (संवाददाता) जनशिकायतों के त्वरित समाधान के लिए नगर निगम कार्यालय में मंगलवार को आयोजित संभव कार्यक्रम में कुल 17 प्रार्थनापत्र प्राप्त हुए, जिसमें से 11 का महापौर महंत गिरिशपति त्रिपाठी ने तुरंत समाध्ान कराया, जबकि पांच प्रकरण गली एवं नाली निर्माण से जुड़े थे, जिसकी जांच कर स्टीमेंट तैयार करने के निदेश दिए। जनसुनवाई की अध्यक्षता कर रहे महापौर ने पार्कों के रखरखाव पर विशेष ध्यान देने की हिदायत कर्मचारियों को दी। इस मौके पर सख्त, नाली, गली के निर्माण, मार्ग प्रकाश व्यवस्था के जाल एवं सफाई को लेकर शिकायतेंआईउत्तेहें जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र तुर्त जारी करने का निदेश दिया। नगर निगम के जनसर्मक अधिकारी मुखेश कुमार पांडेय ने बताया कि नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने समस्याओं का निदान कराया। जनसुनवाई में पूर्ण उपसमापति जय नारायण सिंह स्क्रू फाई अनुवादक, रमाशंकर निषाद एवं अनूप श्रीवास्तव, महेन्द्र शुक्ल, अपर नगर आयुक्त डॉ नाराध्र नाथ, भारत भार्गव, सुमित कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरएम शुक्ल, जेनल अधिकारी सुभाष त्रिपाठी, अधिशारी अभियंता निर्माण राजपति यादव, भास्तर सिंह मौजूद रहे।

टोल प्लाजा बना वाहन चेकिंग व वसूली का अड्डा

सोहावल–अयोध्या(संवाददाता)। रैनाही टोल प्लाजा इन दिनों वाहन चेकिंग और वसूली का अड्डा बना हुआ है। सुबह से रात तक आरटीओ, रेल टैक्स और फाइनेंसर की टीमें वाहनों को हाइवे के बीच रोककर चेकिंग करती रहती है। इससे छोटे बड़े वाहनों की लम्बी लाइन लग जाती है। सड़क सड़क दुर्घटनाओं को बढ़ावा मिलता है। फाइनेंसर के अँधे गुरों से वाहन चालकों की झड़प रोज की दिनचर्या बनती जा रही है। टोल प्लाजा प्रबंधन में एन एच ए आई का स्पट निदेश है कि प्लाजा के दोनोंतरफ 500 मीटर की दूरी मेंकोई भी वाहन खड़ करना अँधे है। इसके बीच सड़क के किनारे कोई भी दाबा दुकान आदि नहीं खोली जा सकती। बाजजूद इसके रैनाही टोल प्लाजा पर सब कुछ बइत्ते से चल रहा है।टोल प्लाजा के दोनों तरफ ढाबे और दुकानों की कतार लगी है। सुबह शाम इन दुकानों के सामने आभी सड़क आबंखित कर अँधे रूप से बड़े–बड़े वाहन खड़े देखे जा सकते हैं जो आए दिन दुर्घटना का कारण बन रहे हैं। इसी कइे मेंअब आरटीओ और रेल टैक्स अधिकारियों की चेकिंग भी सुबह से रात तक सड़क के बीचो–बीच पिछले कुछ दिनों से होने लगी है।टोल प्लाजा हमेशा वाहनों की भीड़ से भरा रहता है। फाइनेंसरों के पालतू गुरों अपनी अँधे कमाई के चक्कर में इन वाहनों को जबरन रोक कर ना सिर्फ वसूली का प्रयास करते हैं। बल्कि ना नुकुर करने वालों से माफपीट तक उतर आते हैं। शिकायत लेकर रैनाही थाने तक जाने वाले पीछि वाहन चालकों का कहना है कि अवाजनक लगने वाला जाम तेज रफ्तार वाहनों के लिए बड़ खतरा बन रहा है। इस सम्बन्ध मेंफूड़े जाने पर टोल प्लाजा के फेद्रेलिंग प्रबंधक सावी कुमार ने बताया कि रोकथाम के लिए कई बार उच्च अधिकारियों को पत्र लिखा गया। लेकिन कोई निदेश नहीं मिला है।बहुत जल्द टोल प्रबंधन से कार्रवाई होगी।

भू-राजनीतिक संकटों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत- प्रो बी वी सिंह



प्रयागराज। रेल कर्मचारियों के लिए रेल सेवा के दौरान पूरी ईमानदारी से संघर्ष करता रहा हु उनकी माँगों को उठता रहा हूं और किसी भी तरह की समस्या का समाधान कराने का प्रयास किया हूं। अब भी आजीवन रेल कर्मचारियों के लिए समर्पित रहूँगा। उक्त उद्गार इण्डियन रेलवे इम्प्लार्ईज फेडरेशन एवं नार्थ सेन्ट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन के महामंत्री कामरेड मनोज पाण्डेय ने रेल सेवा से सेवानिवृत्त होने पर प्लान्ट ऑफिस की ओर से आयोजित सेवानिवृत्त एवं सम्मान समारोह में थक किया।सम्मान समारोह में कामरेड मनोज पाण्डेय का स्वागत करते हुए कर्मचारियों ने फूल माला से लाद दियाध वरिष्ठ खण्ड अभियंता (प्लान्ट) आर के मिश्रा के नेतृत्व में वरिष्ठ खण्ड अभियन्ता राजेश कुमार, संजय तिवारी, आर के राय, मोहन श्रीवास्तव, प्रेम लाल ने पाण्डी पहनाकर, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

महामंडलेश्वर पवन कुमार दास व बृजमोहन दास बने धूनी वाले बाबा आश्रम के महंत -अयोध्यानगरी के संत-महंतों ने साधुशाही परंपरानुसार उन्हें कंठी, चदर, तिलक देकर महंती की दी मान्यता



अयोध्या(संवाददाता)। रामनगरी की प्रतिष्ठित पीठ श्री धूनी वाले बाबा आश्रम तुलसीबाड़ी निकट अयोध्या आई हॉस्पिटल के सामने परिक्रमा मार्ग में आज मंदिर में महंताई समारोह का भव्य आयोजन किया गया।जिसमें महामंडलेश्वर पवन कुमार दास व बृजमोहन दास को मंदिर की बागडोर सौंपा गया। धूनी वाले बाबा आश्रम में अयोध्या के संतों वा महंतों के द्वारा महामंडलेश्वर पवन कुमार दास व

बृजमोहन दास को महंत सर्वराहाकार नियुक्त किया गया कंठी चदर देकर महंताई की। मंगलवार को एक महंताई समारोह के दरम्यान अयोध्यानगरी के संत–महंतों ने साधुशाही परंपरानुसार उन्हें कंठी, चदर, तिलक देकर महंती की मान्यता की। साथ ही साथ महज्जरनामा पर हस्ताक्षर भी किया। महामंडलेश्वर पवन कुमार दास व बृजमोहन दास के सेवा भाव व ईश्वर के प्रति उनकी

आस्था इस सबको देखते हुए अयोध्या के संतों ने महंत श्री कमल दास जी महाराज की अध्यक्षता में संत समाज ने उक्त दोनों संतों को महंती के योग्य समझा और मंगलवार को कंठी, चादर, तिलक आदि से महंत के रूप में उनका अभिषेक किया। संतोंने रामानंदीय वैरागी परमारा के अनुसार महामंडलेश्वर पवन कुमार दास व बृजमोहन दास को कंठी, चादर व तिलक लगाकर गद्दी पर आसीन कर विधिवत महंथ नियुक्त कर यह महज्जर नामा लिख दिया। नवनियुक्त महंत महामंडलेश्वर पवन कुमार दास व बृजमोहन दास ने कहा कि वह अपने समस्त दायित्वों का कुशलता पूर्णक निर्वहन करेंगे। साथ ही मंदिर की सम्पूर्ण सम्पत्तियों को अक्षुण्ण बनाए रखने का आजीवन सतत प्रयत्न करते रहेंगे। अंत में आए हुए संतों का धूनी वाले बाबा आश्रम के महंत कमल दास महाराज, केशव बिहार सदन के

महंत सच्चिदानंद दास, महंत शिवराम दास व हनुमान किला के महंत रामकिशोर दास ने स्वागत–सत्कार किया।महंत कमलदास महाराज का आश्रम तीन जगह हैअयोध्या (उत्तर प्रदेश) भिवानी (हरियाणा) राजगढ़ (राजस्थान) है।इस मौके पर प्रमुख रूप से श्री मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, निर्वाणी अखाड़ा के महासचिव महंत नंदराम दास, रसिक पीठाधीश्वर महंत जनेजय शरण, बड़ा भक्त माल आश्रम के महंत अवधेश कुमार दास, महंत परशुराम दास,महंत राम नारायण दास,महंत राम आसरे शरण रामायणी, तुलसी दास छावनी के महंत जनार्दन दास, पत्थर मंदिर के महंत मनीष दास, बड़े हनुमान मंदिर के महंत छविराम दास, हनुमानगढ़ी के महंत रामकुमार दास सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

खेलो इंडिया प्रतियोगिता में अवध विवि को मिला गोल्ड

-एथलीट दीपांशी सिंह ने स्वा इतिहास, जीता गोल्ड



अयोध्या(संवाददाता)। जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में आयोजित खेलों इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में अवध विश्वविद्यालय के लिए गोल्ड मेडल जीता था। दीपांशी सिंह विश्वविद्यालय से संस्कृत राम नैराज सिंह महाविद्यालय, बावन, कुमारगंज की छात्रा है। एथ्लेटिक्स प्रतियोगिता के समय खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स मेंअवध विश्वविद्यालय के कॉन्टिजेंट मैनेजर, डॉ. मनीष सिंह साथ रहे। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में दीपांशी सिंह के गोल्ड मेडल जीतने

पर विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल डॉ. बिजेन्द्र सिंह ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के खेलों में महिला एथलीट दिन प्रतिदिन सफलता के नए आयाम स्थापित कर रही हैं। राष्ट्रीय खेल पटल पर विश्वविद्यालय का नाम रेशन कर रही है जो महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है। सभी खिलाड़ियों को इनके उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन से प्रेरणा मिलती है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। क्रीड़ा सचिव प्रो।आशीष प्रताप सिंह ने बताया कि कुलपति के मार्ग दर्शन में विश्वविद्यालय में खेल सुविधाओं को विकसित करने के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है जिसके लिए आवासीय परिसर में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार एथलेटिक्स ट्रैक के साथ इंडोर एवं आउटडोर गेम्स के लिए कोर्ट और ग्राउंड को तैयार कराया जा रहा है। विश्वविद्यालय गोल्ड मेडल विजेता एथलीट को सम्मानित करेंगे। दीपांशी सिंह के गोल्ड मेडल जीतने पर क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह एवं क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह ने बधाई के साथ

शुभकामनाएं दी है। खिलाड़ी एथलीट के गोल्ड मेडल जीतने पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी पूर्णेंद्र शुक्ला, कुलसचिव विनय कुमार सिंह , छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो.नीलम पाठक,मुख्य कुलानुशासक प्रो. एसएस मिश्रा, सांकेत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य प्रो. अमय कुमार सिंह, प्राचार्य प्रो. दानपति त्रिपाठी, मन्नुचा महाविद्यालय प्राचार्य प्रो.मंजूषा मिश्रा, महाविद्यालय विश्वविद्यालय शिक्षक संघ अध्यक्ष डॉ.जनेजय तिवारी, महामंत्री प्रो.अमृत्य कुमार सिंह, आवासीय परिसर शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रो।शैलेंद्र कुमार वर्मा, उपाध्यक्ष प्रो.संजय सिंह, महामंत्री डॉ.राना रेहित सिंह,क्रीड़ा परिषद के पूर्व सचिव प्रो. प्रवीण सिंह, डॉ. पूनम जोशी, प्रो.संतोष गौड़, क्रीड़ा परिषद उप सचिव डॉ.अनुराग पाण्डेय, विधि संकायाध्यक्ष प्रो.अशोक राय,प्रो. अजय कुमार, डॉ. नीलम, डॉ.संत लाल, डॉ. अनिल कुमार मिश्रा, डॉ. कपिल राणा, डॉ. अर्जुन सिंह, डॉ. त्रिलोकी यादव, डॉ. रीमा सोनकर, डॉ. उमापति, डॉ.अंशु शिव कुमार सिंह सहित सभी खेल प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

दरोगा और साधियों ने फौजी को पीट-पीट कर मार डाला स्कार्पियो ओवरस्टेक करने को लेकर विवाद, एसआई समेत 5 गिरफ्तार



प्रयागराज। करछना थाना क्षेत्र में सेना के एक जवान को दरोगा और उसके साथियों ने पीट–पीटकर मार डाला। स्कॉर्पियो ओवरटेक करने को लेकर झगड़ा हुआ। इसके बाद दरोगा और उसके साथियों ने लोहे की रॉड से सेना के जवान को बुरी तरह से पीटना शुरू कर दिया। इसमें सेना का जवाल खून से लथपथ हो गया। इस बीच दरोगा और उसके साथी भाग गए। सूचना पर पहुंचे घरवालों ने पुलिस को जानकारी दी। पुलिस ने घायल जवान को दरोगा के अस्पताल भेज दिया। वहां इलाज के दौरान सोमवार को उसकी मौत हो गई। जवान के पिता की शिकायत पर सेना के प्रशासन 5 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार करछना के घरवाा निवासी विवेक सिंह (28) सेना के इंटेलिजेंस विभाग में दिल्ली में तैनात थे। उनके पिता उमाकान्त सिंह भी सेना से सूबेदार पद से रिटायर हुए हैं। विवेक 2 भाइयों में छोटे थे। 3 साल पहले ही उनकी शादी प्रतिभा से हुई थी। उनका 2 साल का बेटा वेंकट है। विवेक चचेरी बहन की शादी में शामिल होने 28 नवंबर को छुट्टी लेकर घर आया था। 29 नवंबर को बहन की शादी थी। शादी की रात देर तक वह अपने गांव के 2 दोस्तों विनय जैन और करन के साथ कार से कोहखर बाजार गया था। वहां उसने विनय को कोहखर घाट छोड़ दिया। इसके बाद वह कार से करन सिंह के साथ घरवाा स्थित अपने घर लौट रहा था।रात करीब 2 बजे घरवाा मोड़ के पास बारात से लौट रहे स्कॉर्पियो सवार कुछ युवकों से गाड़ी ओवरटेक करने को लेकर कहासुनी हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने मामला शत करा दिया। इसके बाद विवेक अपनी कार में बैठने लगा। तभी स्कॉर्पियो सवार दिनेश कुमार यादव, राजीव कुमार ठाकुर, राजू पुलिस का दरोगा राजकमल पांडेय नीचे उतरें।

इन सभी ने विवेक को कार से खींचकर बाहर निकाल लिया। इसके बाद असलहों और लोहे की रॉड से उसके सिर पर हमला कर दिया। करन सिंह ने विवेक को पीटता देख मदद के लिए गांव की ओर दौड़ लगा दी। इसी बीच हमलावर विवेक को मरा समझकर मौके से भाग गए।गांव वालों की मदद से विवेक को प्रयागराज के एक अस्पताल ले जाया गया। वहां उसकी गंभीर हालत देखते हुए मिलिट्री हॉस्पिटल, लखनऊ रफर कर दिया गया। वहां सोमवार को विवेक की मौत हो गई।इसके बाद फौजी विवेक सिंह की हत्या करने वालों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर घरवालों ने हंगामा शुरू कर दिया। कहा कि जब तक हत्यारों को पकड़ नहीं जाएगा, तब तक अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। इसके बाद पुलिस ने पुलिस ने वाहन नंबर के आधार पर राजीव कुमार (सेना का हवलदार), राजकमल पांडेय (दरोगा), दिनेश कुमार यादव, राजीव अग्रहरि, भाई लाल यादव को गिरफ्तार कर लिया। सभी हमलावर नैनी के चाका रहने वाले हैं।

एसआईआर फार्म भरने मे आ रही त्रुटियो को लेकर सपा ने डीएम को सौंपा जापन



अयोध्या(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी जिला व महानगर कमेटी ने जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव व पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे पवन के नेतृत्व मे एसआईआर मे आ रही त्रुटियो के संबंध में जिलाधिकारी संबोधित एक ज्ञापन कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन के माध्यम से कई बिंदुओं पर मांग की गई है।ज्ञापन के माध्यम से समाजवादी पार्टी जिलामहानगर अयोध्या ने मांग किया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार प्रदेश में एसआईआर प्रक्रिया में ऐसे मतदाता जिनका नाम 2003 की मतदाता सूची में है अथवा उनके माता–पिता दादा दादी नाना नानी का नाम है अगर उन्होंने प्रपत्र मे पूर्ण विवरण सही ढंग से भरकर बीएलओ के पास जमा कर दिया है फिर भी बीएलओ उन मतदाताओं को क्रमशः फर्स्ट ऑप्शन व सेकंड ऑप्शन में नहीं बल्कि थर्ड ऑप्शन में कर दिया गया है इन त्रुटियों को तत्काल दूर किया जाए, और फार्म बाटने और जमा करने का समय तीन माह और बढ़ाया जाए ,इस मौके पर जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि आज जिलाधिकारी से सभी बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गयी, रूढ़ौती,बीकापुर, मिलकीपूर, सहित सभी विधानसभा की बात रखी। जिलािािकारी ने पूरा भरसा दिलाया कि सभी त्रुटियों को दूर किया जाएगा और जिन लोगों ने पुुरानी लिस्ट से फार्म भर दिया है उसको विभाग अपने स्तर से ठीक करेंगे मतदाता

संगठित अपराध की मजबूत कड़ी बना सरयू तट का बालू खनन



अयोध्या(संवाददाता)। सरयू तट का बालू कारोबार अब महज खनन का धंधा नहीं बल्कि सत्ता–संरक्षण और संगठित अपराध की मजबूत कड़ी बन चुका है। यह दावा अधिवक्ता प्रवीण दुबे द्वारा की गई प्रेस वार्ता में किया। दुबे के अनुसार बालू चोरी की आड़ में ऐसा ‘खनन सिंडिकेट’ फल–फूल रहा है जो पट्टों के नाम पर करोड़ों की लूट, अँधे मशीनरी संचालन और प्रशासनिक तंत्र को चुनौती देने की क्षमता रखता है।फतेहपुर सरिया माझा के गाटा संख्या 13 का पट्टा भले संतोष जायसवाल के नाम दर्ज हो, पर दुबे का कहना है कि सरयू की उफ़ारा पर दिन–रात 5–6 फेकलेड मशीनें अँधे रूप से चल रही हैं। वीडियो, फोटो और अन्य प्रमाण प्रशासन को सौंपे गए, लेकिन कार्रवाई के नाम पर शून्य जैसी स्थिति बनी रही। दुबे ने दावा किया यह केवल खनन नहीं सरकारी सिस्टम को घटा बताकर की जा रही प्रत्यक्ष लूट है।29 नवंबर को एसआरओ अन्नत सिंह पर हुए हमले को दुबे ने सिंडिकेट की खुली चेतावनी बताया। हार्डि पर कई गाड़ियों का पीछा, रास्ता रोकने की कोशिश और खुलेआम धक्की इन घटनाओं ने जिले में कानून–व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। दुबे के शब्दों में अयोध्या में कानून अब सड़क पर नहीं, बल्कि बल और संरक्षण पर चलता दिख रहा है। अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि खनन माफिया राकेश व सरोज जायसवाल का दुस्साहस इतना बढ़ चुका है कि पुलिस थाने की भी परवाह नहीं रह गई।उनके अनुसार कैंट थाना परिसर में 60दू70 लोग घुस आए, और खनन अधिकारियों से अमद्रता और धक्का–मुक्की की। कई अधिकारियों को कमरे में छिपकर अपनी जान बचानी

अवध विवि की स्नातक तृतीय, पंचम व परास्नातक की तृतीय सेमेस्टर परीक्षा शुरु



अयोध्या (संवाददाता) डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में एनईपी के अंतर्गत स्नातक के तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर, परास्नातक के तृतीय सेमेस्टर की परीक्षा आज मंगलवार से प्रारंभ हो गई। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेन्द्र सिंह के निदेश पर सात जनपदों के संबद्ध महाविद्यालयों के कुछ परीक्षा केंद्रों का कुलपति ने दौरा कर केंद्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों के संचालन एवं सीट प्लान को परखा और सुचारु रूप से परीक्षा कराई जाने के लिए तत्बन्धी को आवश्यक निदेश दिए। कुलपति ने

परीक्षा नियंत्रण वक्श से सभी परीक्षा केंद्रों के कैमरों के संचालन की स्थिति को भी देखा और आवश्यक निदेश देते हुए कहा कि परीक्षा की शुचित्ता एवं गरिमा को बनाये रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाये जाएँ। विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा की सभी 508 केंद्रों की सीसीटीवी कैमरे से मॉनिटरिंग कंट्रोल रूम से की जा रही है। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि एनईपी के अंतर्गत स्नातक व परास्नातक सेमेस्टर परीक्षा सुचारु रूप से शुरू हो गई है।

रेल कर्मचारियों के लिए समर्पित रहूंगा- मनोज पाण्डेय

प्रयागराज। रेल कर्मचारियों के लिए रेल सेवा के दौरान पूरी ईमानदारी से संघर्ष करता रहा हु उनकी माँगों को उठता रहा हूं और किसी भी तरह की समस्या का समाधान कराने का प्रयास किया हूं। अब भी आजीवन रेल कर्मचारियों के लिए समर्पित रहूँगा। उक्त उद्गार इण्डियन रेलवे इम्प्लार्ईज फेडरेशन एवं नार्थ सेन्ट्रल रेलवे वर्कर्स यूनियन



के महामंत्री कामरेड मनोज पाण्डेय ने रेल सेवा से सेवानिवृत्त होने पर प्लान्ट ऑफिस की ओर से आयोजित सेवानिवृत्त एवं सम्मान समारोह में व्यक्त किया।सम्मान समारोह में कामरेड मनोज पाण्डेय का स्वागत करते हुए कर्मचारियों ने फूल माला से लाद दियाध वरिष्ठ खण्ड अभियंता (प्लान्ट) आर के मिश्रा के नेतृत्व में वरिष्ठ खण्ड अभियन्ता राजेश कुमार, संजय तिवारी, आर के राय, मोहन श्रीवास्तव, प्रेम लाल ने पगड़ी पहनाकर, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में उपस्थित प्लान्ट के रेल कर्मचारी एवं वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ और अनेकों उपहार देकर भव्य स्वागत किया।

राष्ट्रीय शिल्प मेला 2025 का हुआ धूमधाम से आगाज

प्रयागराज। संगम नगरी एक बार फिर लोक–परंपराओं और स्वदेशी कला के अद्भुत संगम का साक्षी बनी। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, सांस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित दस दिवसीय ‘राष्ट्रीय शिल्प मेला 2025’ का शुभारंभ सोमवार को शिल्प हाट परिसर में भव्य सांस्कृतिक संध्या के साथ किया गया। देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अपने पारंपरिक परिहाराओं और लोक–नृत्य की मोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को मंच पर जीवंत किया। हर रंग में एकता, हर सुर में भारत की आत्मा साफ झलक रही थी।कार्यक्रम का उद्घाटन न्यायमूर्ति जे. जे. मुनीर, केन्द्र निदेशक सुदेश शर्मा एवं कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। केन्द्र निदेशक ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र से अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि‘उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र पिछले चार दशकों से लोक कलाओं की धरोहर को संरक्षित कर रहा है।

प्रयागराज। संगम नगरी एक बार फिर लोक–परंपराओं और स्वदेशी कला के अद्भुत संगम का साक्षी बनी। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, सांस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से आयोजित दस दिवसीय ‘राष्ट्रीय शिल्प मेला 2025’ का शुभारंभ सोमवार को शिल्प हाट परिसर में भव्य सांस्कृतिक संध्या के साथ किया गया। देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अपने पारंपरिक परिहाराओं और लोक–नृत्य की मोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को मंच पर जीवंत किया। हर रंग में एकता, हर सुर में भारत की आत्मा साफ झलक रही थी।कार्यक्रम का उद्घाटन न्यायमूर्ति जे. जे. मुनीर, केन्द्र निदेशक सुदेश शर्मा एवं कार्यक्रम सलाहकार कल्पना सहाय ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। केन्द्र निदेशक ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र से अभिनंदन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि‘उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र पिछले चार दशकों से लोक कलाओं की धरोहर को संरक्षित कर रहा है।

जीत के करीब पहुंचाया। दूसरे वनडे से अपनी उम्मीदों पर बात करते हुए जियोस्टार विशेषज्ञ स्टैन ने कहा कि मुझे लगता है कि विपट कोहली और रोहित शर्मा का प्रदर्शन जारी रहेगा। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि कौन से तेज गेंदबाज और कौन से रिपनर कुछ दिनेश्वर कर रहे हैं। यह अब तक बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग रहा है, तो कौन से गेंदबाज दूसरे वनडे में अच्छा प्रदर्शन करेंगे? विवेंदन डी कोक ने पहले वनडे में कोई रन नहीं बनाया था, लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें अपनी बात साबित करनी होगी। वह ऐसे गेंदबाज हैं जिन पर दक्षिण अफ्रीका बड़ा स्कोर बनाने के लिए निर्भर करेगा। इस साल वनडे से संन्यास लेने के बाद सफेद गेंद से वापस करने के बाद से, डी कोक ने वनडे में दक्षिण अफ्रीका के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने जून मैचों में 79.66 की औसत और 91 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 239 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 123 रन रहा है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भारत के खिलाफ है, उन्होंने भारत व खिलाफ 51.28 की औसत से 1,077 रन बनाए हैं जिसमें छह शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं तथा उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 135 रन है।

नई दिल्ली। पीठ की चोखे के कारण उम्मान खाजा दूसरे एंजेल टेस्ट से बाहर हो गए हैं। ऑस्ट्रेलिया को एक बार फिर अपनी सलामी जोड़ी पर पुनर्विचार करना पड़ रहा है। खाजा के अंतरराष्ट्रीय भविष्य पर सवालिया निशान लग गया है, जबकि जोड़ी इंगलिस और ब्यू बेक्टर को प्लेडिंग देहनेम में जगह मिल सकती है। खाजा की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया इस एंजेल श्रृंखला में एक बार फिर नई सलामी जोड़ी उत्तरांगी अनुभवी सलामी बल्लेबाज उम्मान खाजा पीठ की चोखे के कारण ब्रिस्बेन में होने वाले डे-नाइट एंजेल टेस्ट से बाहर हो गए हैं जिससे एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया को अपनी सलामी जोड़ी पर पुनर्विचार करना पड़ रहा है। लगभग दो हफ्ते पहले पर्ष में लगी चोट से उबरने में नाकाम रहने के बाद खाजा का अंतरराष्ट्रीय भविष्य सवालों के घेरे में आ गया है। हालाँकि जोड़ी इंगलिस और ब्यू बेक्टर दोनों को प्लेडिंग देहनेम जगह देने पर विचार किया जा रहा है, लेकिन खाजा को दूसरे टेस्ट से बाहर करने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने टीम किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल नहीं किया है। ३८ वर्षीय खाजा, जो इस महीने के अंत में ३९ साल के हो जाएंगे, ने मंगला को गाबा में ३० मिनट का नेट अभ्यास किया। वह कई मौकों पर असहज दिखे और गुरुवार से शुक्र को रहे दूसरे टेस्ट के लिए पूरी तरह से फिट नहीं हो पाए हैं। खाजा की अनुपस्थिति में ऑस्ट्रेलिया को इस एंजेल सीरीज को एक बार फिर नई सलामी जोड़ी उत्तरांगी होगी। पहले टेस्ट में खाजा की पीठ में ऐंठन के कारण टीम को पहले मार्नस लाबुसोन और फिर्नान्डो डेविल को अस्थायी सलामी बल्लेबाज के रूप में इस्तेमाल करना पड़ा था। इससे पहले, मार्नस लाबुसोन ने खाजा व शानवादा टेस्ट फॉर्म की तारीफ की थी, लेकिन इस पर कोई टिप्पणी नहीं की थी कि इस अनुभवी खिलाड़ी को आगामी मैच के लिए चुना जाना चाहिए या नहीं।



मस्तक पर सिंदूर, स्वर्णभूषण और दैवीय तेज, महिला सुपरहीरो फिल्म महाकाली से भूमि शेट्टी की पहली झलक आई सामने



प्रशांत वर्मा हनुमान के बाद अपनी अगली माइथोलॉजिकल फिल्म महाकाली को लेकर जबर्दस्त सुर्खियों में हैं। बीते दिनों फिल्म से अक्षय खन्ना का लुक रिवील किया गया था, जो शुक्राचार्य की रोल में नजर आएंगे। आज गुरुवार को मेकर्स ने फिल्म की लीड हीरोइन का फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर किया है। यह किरदार भूमि शेटी निभाती दिखेगी।

महाकाली देश की पहली महिला सुपरहीरो फिल्म है। यह प्रशांत सिनेमैटिक यूनिवर्स की तीसरी फिल्म है। फिल्म के निर्देशन की कमान पूजा अपना कोल्लुरु के कंधों पर है। इसमें भूमि शेटी को देवी के किरादार में देखा जाएगा। आज सामने आया फिल्म से उनका फर्स्ट लुक दमदार है। माथे पर सिंदूर, स्वर्ण आभूषण और दैवीय तेज साफ देखा जा सकता है।

पोस्टर शेयर करते हुए प्रशांत वर्मा ने लिखा है, सृष्टि के ब्रह्मांडीय गर्भ से ब्रह्मांड का सबसे खूबार सुपरहीरो जागता है। भूमि शेटी को महा के रूप में पेश करते हुए खुशी हो रही है। बता दें कि फिल्म महाकाली की कहानी और स्क्रीनप्ले दोनों ही प्रशांत वर्मा ने लिखे हैं। बताया जा रहा है कि महाकाली में बंगाल की पृष्ठभूमि पर आध्ारित होगी। इसे तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषा में आईमैक्स 3डी फॉर्मेट में रिलीज किया जाएगा।

फर्स्ट लुक पोस्टर पर नेटिजन्स की सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। यूजर्स मेकर्स को अग्रिम बधाई दे रहे हैं। बता दें कि इस फिल्म की 50 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है। फिलहाल इसे हैदराबाद में फिल्माया जा रहा है। इसके लिए वहां एक भव्य सेट का निर्माण किया गया है। प्रशांत वर्मा ने तेजा सज्जा अभिनीत हनुमान फिल्म से दर्शकों का खूब दिल जीता। यह पीवीसीयू की फिल्म थी। अब दर्शकों की नजरें महाकाली पर हैं। इसके अलावा प्रशांत वर्मा जय हनुमान भी लेकर आ रहे हैं।

मिथुन चक्रवर्ती की बहु मदालसा शर्मा ने क्यों छोड़ी थी साउथ इंडस्ट्री? बताई चौंकाने वाली वजह



बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की बहु, अभिनेत्री मदालसा शर्मा टीवी का जाना-माना चेहरा हैं। अनुपमा में काव्या शाह के किरदार ने उन्हें घर-घर में मशहूर किया था। बहुत कम लोगों को पता होगा कि मदालसा ने अपना फिल्मी डेब्यू साउथ इंडस्ट्री से किया था। उनकी तेलुगु फिल्म फिटिंग मास्टर थी, जो 2009 में रिलीज हुई थी। एक दिन, मदालसा ने साउथ इंडस्ट्री छोड़ने का फैसला किया, जिसके पीछे चौंकाने वाली वजह थी। अभिनेत्री ने अब खुलासा किया है।

मदालसा ने कहा, एक भी अनुभव सुखद नहीं थे मेरे वहां पे, जो मुझे लगा कि मैं नहीं कर पाऊंगी। वह रास्ता मैं नहीं ले पाऊंगी। कार्टिंग काउच और वो सब। मुझे लगता है, यह हर जगह है। अभिनेत्री ने कहा, मुझे याद नहीं मैं 17 साल की थी। कुछ साल हो गए, लेकिन मुझे याद है कि मुझे असहज महसूस हुआ और मैं बस बाहर चली गई और मैं खुद से कहा, चलो बॉम्बे वापस चलते हैं।

मद्रास ने जिंदगी के

लख्य पर बात करते हुए कहा, एक लख्य होता है ना हर एक इंसान का जहां वे चाहते हैं वहां पहुंचना। मेरा लख्य महत्वाकांक्षा है सब कुछ हैय मगर वो उतना ज्यादा नहीं है कि मैं उसको खुद पे हावी होने दूं। मेरे फैसले उसी के आधार पर हैं। मदालसा को आखिरी बार विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द बंगाल फाइल्स में देखा गया था। ये फिल्म इसी साल 5 सितंबर, 2025 को रिलीज हुई थी।

कल्याणजी गोगाना की मारियो का पोस्ट-प्रोडक्शन कार्य

जोरों पर, नवंबर में सिनेमाघरों में रिलीज



निर्देशक कल्याणजी गोगाना, जिन्होंने नाटकम और तीस मार खान जैसी विशिष्ट, विषय-वस्तु से प्रेरित फिल्मों से प्रसिद्धि पाई, एक और दिलचस्प फिल्म मारियो लेकर आ रहे हैं। ऊर्जावान टैगलाइन ए टर्बो-चार्ज्ड रैप राइड के साथ, यह फिल्म रोमांच और मनोरंजन का एक मनोरंजक मिश्रण पेश करती है। अपनी पहली फिल्म के रूप में अनिरुद्ध इसमें खूबसूरत हेबा पटेल के साथ मुख्य भूमिका में है। इस फिल्म का निर्माण सिल्वर स्क्रीन प्रोडक्शंस ने रिजवान एंटरटेन्मेंट के सहयोग से किया है। फिल्मों में पूरा होने के साथ, मारियो वर्तमान में पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है। निर्माता नवंबर में रिलीज की उम्मीद कर रहे हैं जिसकी सटीक तारीख जल्द ही घोषित की जाएगी। ब्लॉक का खुलासा, प्रथम झलक और प्रचार पोस्टरों ने पहले ही काफी चर्चा पैदा कर दी है जिससे फिल्म के प्रति उम्मीद काफी बढ़ गई है। एक प्रतिभाशाली टीम ने मारियो को जीवंत किया है। एमएन रेड्डी ने छायांकन का जिम्मा संभाला है जबकि संपादन का काम मणिकर्त और मादी मन्मेल्ली ने संभाला है। संगीत साई कार्तिक ने रचा है और रॉकेटु मैली ने संगीत के साथ-साथ फिल्म की कहानी और संवादों में भी योगदान दिया है। हास्य और रहस्य के अपने विशिष्ट मिश्रण के लिए प्रसिद्ध कल्याणजी गोगाना, मारियो के

शहनाज गिल बनीं फिल्म निर्माता

शहनाज गिल अपनी सादगी, जोश और बेबाक अंदाज के लिए पहचानी जाती हैं। उन्होंने आज अपने करियर में एक नया अध्याय जोड़ा है। शहनाज गिल अब निर्माता बन गई हैं और बतौर प्रोड्यूसर उनकी पहली फिल्म 'इक्क कुड़ी' आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। यह फिल्म न सिर्फ उनके करियर का अहम मोड़ है, बल्कि उनके दिल के भी बहुत करीब है।

'इक्क कुड़ी' की कहानी एक ऐसी लड़की के सफर को दिखाती है जो अपने लिए सही जीवनसाथी की तलाश में है। फिल्म के लेखक और निर्देशक अमरजीत सिंह हैं। पहले यह फिल्म 19 सितंबर को रिलीज होने वाली थी, लेकिन पंजाब में आई बाढ़ के कारण इसे आगे बढ़ाकर 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में उतारा गया। शहनाज का मानना है कि हर नया अनुभव कुछ सिखाता है और 'इक्क कुड़ी' उनके करियर का सबसे भावनात्मक अध्याय है। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने कई बार अलग-अलग क्षेत्रों में डेब्यू किया हो, लेकिन वह इस फिल्म को अपना सबसे खास और नजदीकी प्रोजेक्ट मानती हैं।

शहनाज गिल का कहना है कि ये उनकी अभी शुरुआत है। आगे उन्हें बहुत कुछ करना है। आईएनएस को दिए इंटरव्यू में शहनाज कहती हैं कि 'इक्क कुड़ी' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावना है। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट उनके जीवन का वह सफर है जिसे वह हमेशा अपने साथ लेकर चलेंगी। इस फिल्म ने उन्हें एक कलाकार के साथ-साथ एक निर्माता के रूप में भी परखा है। निर्माता की जिम्मेदारी संभालने के बारे में शहनाज ने कहा, 'निर्माता बनने के साथ मेरे ऊपर कई जिम्मेदारियां थीं, कहानी चुनने से लेकर फिल्म की पूरी टीम को संभालने तक। मुझे 'इक्क कुड़ी' की कहानी इतनी पसंद आई कि मैंने तय किया कि इस फिल्म में सिर्फ अभिनय नहीं, बल्कि निर्माण की जिम्मेदारी भी मैं खुद उठाऊंगी। यह फिल्म ऐसी थी जिसे बनाना जरूरी था।' (हिफी)

ऐश्वर्या व अनुष्का की फिल्म 'ए दिल है मुश्किल' की शूटिंग लखनऊ में हुई



कल 2016 में आई करण जोहर की फिल्म 'ए दिल है मुश्किल' सिर्फ एक लव स्टोरी नहीं, बल्कि दिल की गहराइयों में उतरने वाली इमोशनल दास्तां थी। इस फिल्म ने प्यार, दोस्ती और अधूरी मोहब्बत की उस टीस को पर्दे पर उतारा जिसे शब्दों में कहना मुश्किल है। रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा, ऐश्वर्या राय बच्चन और फवाद खान जैसे सितारों की शानदार स्टारकास्ट, प्रीतम का दिल छू लेने वाला म्यूजिक और करण जोहर का सेंसिटिव डायरेक्शन कू इन सबने मिलकर इस फिल्म को एक आधुनिक रोमांटिक क्लासिक बना दिया। फिल्म की शूटिंग लंदन-पेरिस-लखनऊ में हुई थी और डायरेक्शन ने फिल्म को सिर्फ देखने योग्य नहीं बल्कि महसूस करने योग्य बना दिया। 'ए दिल है मुश्किल' इस बात की क्लासिक मिसाल है कि हर कहानी में उजाला नहीं होता। कुदोस्ती की सीमा और प्यार की चाह में उठते सवाल में इंसान फंसा हुआ महसूस करता है। फिल्म ने यह सवाल उठाया क्या हमेशा वही "जीत" है, जिसे हम प्यार मानते हैं?

इस कहानी में हर किरदार अधूरा है पर यही अधूरापन ही इस फिल्म की सबसे खूबसूरत बात है। जहां रणबीर का 'आयान' अपने एकतरफा प्यार में टूटकर गाता है, वहीं अनुष्का का 'अलिजेह' अपनी दोस्ती को मोहब्बत से ज्यादा अहमियत देती है और फिर ऐश्वर्या राय की सबा, जो रिश्तों को समझने के लिए एक परिपक्वता लेकर आती है— फिल्म का हर मोमेंट एक दिल को छू जाने वाला एहसास छोड़ता है।

साल 2016 में आई करण जोहर की इस फिल्म में प्यार, दोस्ती और शानदार म्यूजिक का संगम दिखा था। इस फिल्म में कुल 6 गाने हैं और सभी गाने एक से बढ़कर एक हैं। फिल्म के सभी गानों ने दर्शकों पर जबरदस्त असर छोड़ा था। इस फिल्म का टाइटल ट्रैक और हार्ट ब्रेक एंथम 'चन्ना मेरेया' काफी पॉपुलर हुए थे। ये गाने आज भी लोगों की जुवां पर चढ़े हुए हैं। 'चन्ना मेरेया' में अरिजीत की आवाज दिल के आर-पार चली गई थी। ये गाना हर टूटे दिल आशिक की आवाज बनी और आजतक ये हार्ट ब्रेक एंथम बनी हुई है। 'चन्ना मेरेया' में रणबीर कपूर के एक्सप्रेसन ने दिल जीत लिया था। बुल्लैया में शिल्पा-मिश्रा की आवाज ने जबरदस्त हलचल मचाई, द ब्रेकअप सांग ने पार्टी मूड में भी दर्द की एक हल्की लकीर छोड़ दी। ये ब्रेकअप एंथम बन गया था। /tgQh

शार्ट ड्रेस में रकुल प्रीत सिंह ने दिए सिजलिंग पोज



बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने फैशन स्टेटमेंट्स से फैस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान की बेहद ही शानदार फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अवतार देखकर लोगों की नजरें उनपर से हटा पाना मुश्किल हो गया है।

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी अपडेट्स फैंस के बीच शेयर कर अक्सर लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं।

तस्वीरों में देखा जा सकता है कि उन्होंने शॉर्ट ड्रेस में कई पोज दिए हैं। तस्वीरें शेयर करते हुए उन्होंने कहा 'आयशा पूछ रही है कि झूम शराबी कैसा लगा? झूम शराबी गाना फिल्म दे दे प्यार दे 2 का हैं, जिसे हनी सिंह ने गाया है।

बता दें कि एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। रकुल प्रीत सिंह की तस्वीरों को फैंस लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा है आप मेरे दिल की रानी हो। एक दूसरे यूजर ने लिखा है आपको ओर देखना चाहता है।